दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:16 ए एम
सूर्यास्तः 06:37 पी एम
तिथिः सप्तमी - 07:02 पी एम तक
नक्षत्रः मगशिरा - 05:32 पी एम तक
योगः सौभाग्य - 11:36 पी एम तक
करणः वणिज - 07:02 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - पूर्ण रात्रि तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com ● वर्ष 03 ● अंक 89 ● पृष्ठ 8 ● दुमका, बुधवार 29 मार्च 2023 ● मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

उमेश पाल अपहरण मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

अतीक अहमद को मिली उम्रकैद

प्रयागराज/एजेंसी।

उमेश पाल अपहरण मामले में माफिया अतीक अहमद, दिनेश पासी और उसके वकील खान सौलत हनीफ को दोषी करार दिया गया है. एमपी/एमएलए कोर्ट ने सभी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही तीनों पर पांच-पांच हजार का जुर्माना भी लगाया गया है. वहीं अतीक के भाई अशरफ उर्फ खालिद अजीम सहित सात अभियुक्तों को कोर्ट ने सबूत के अभाव में बरी कर दिया है. अतीक और अशरफ की पेशी के मद्देनजर अदालत और जेल परिसर के बाहर कड़ी सुरक्षा लगाई गई थी. दोनों भाइयों को दो अलग-अलग जेलों से सोमवार को प्रयागराज लाया गया था.

इससे पहले बाहुबली अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ को अदालत में पेश किया गया. 2005 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तत्कालीन विधायक राजू पाल हत्याकांड मामले के गवाह उमेश पाल के अपहरण के मामले में आज दोनों की पेशी थी.

यह था मामला

बसपा विधायक राजू पाल की 25 जनवरी, 2005 को हुई हत्या के बाद तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य उमेश पाल ने पुलिस को बताया था कि वह हत्या का चश्मदीद था. उमेश ने आरोप लगाया था कि जब उसने अतीक अहमद के दबाव में पीछे हटने और झुकने से इनकार कर दिया तो 28 फरवरी 2006 को उसका अपहरण कर लिया गया था. अतीक, उसके भाई अशरफ और चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ पांच जुलाई 2007 को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. मामले में अदालत में पेश किए गए आरोप पत्र में 11 आरोपियों का जिक्र है.

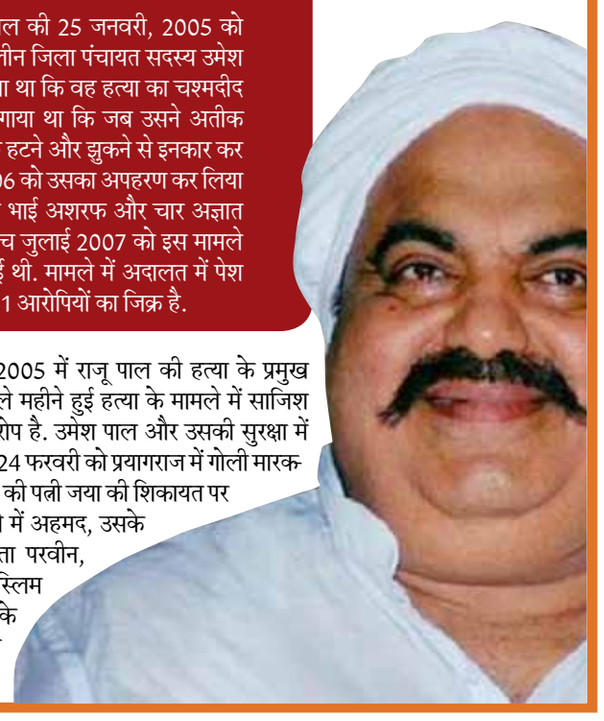

अतीक और अशरफ पर 2005 में राजू पाल की हत्या के प्रमुख गवाह उमेश पाल की पिछले महीने हुई हत्या के मामले में साजिश में शामिल होने का भी आरोप है. उमेश पाल और उसकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की 24 फरवरी को प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. पाल की पत्नी जया की शिकायत पर प्रयागराज के धूमनगंज थाने में अहमद, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, सहयोगी गुड्डू मुस्लिम और गुलाम तथा नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था.

उत्तरी मैक्सिको के एक अप्रवासी केंद्र में लगी आग, 39 लोगों की मौत

नयी दिल्ली/एजेंसी।

उत्तरी मैक्सिको में अमेरिकी सीमा के पास एक अप्रवासी केंद्र में आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि ये घटना सोमवार देर रात टेक्सास के एल पासो के पार सिउदाद जुआरेज में एक अप्रवासी केंद्र में हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना में करीब 40 प्रवासियों की मौत हो गई और 30 लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह संख्या और बढ़ भी सकती है।

गौरतलब है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जाने वाले प्रवासियों के लिए सिउदाद जुआरेज एक प्रमुख क्रॉसिंग पॉइंट है। यहां स्थित केंद्रों में संयुक्त राज्य अमेरिका में शरण मांगने वाले लोग तब तक रखे जाते हैं जब तक कि उनके आग्रह पर कोई निर्णय नहीं हो जाता। जिस सेंटर में आग लगने की घटना सामने आई है वह भी ऐसा ही था।

राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। समाचारपत्र के मुताबिक, घायल लोगों को चार अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल पर जांचकर्ता मौजूद हैं।

पैन-आधार कार्ड लिंक करने की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली/एजेंसी।

अपने पैन कार्ड को अपने आधार कार्ड से लिंक करना एक महत्वपूर्ण काम है, जिसे प्रत्येक भारतीय नागरिक को पूरा करने की आवश्यकता है। अब सरकार की ओर से पैन कार्ड और आधार कार्ड को लिंक करने की तारीख को बढ़ा दिया गया है। देश के नागरिक अब 30 जून 2023 तक आधार कार्ड को पैन कार्ड से लिंक कर सकते हैं। अभी तक आधार को पैन से लिंक करने की तारीख 31 मार्च 2023 थी, हालांकि अब इसे बढ़ाकर 30 जून कर दिया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के जरिए पैन को आधार से लिंक करने की अंतिम तिथि पहले भी कई बार बढ़ाई जा चुकी है।

आयकर विभाग कई बार पैन को आधार कार्ड से लिंक करने के बारे में कह चुका है। आयकर विभाग का कहना है कि आपके पैन और आधार को लिंक करने की अंतिम तिथि जल्द ही आ रही है! आईटी अधिनियम, 1961 के अनुसार सभी पैन धारकों के लिए, जो छूट की श्रेणी में नहीं आते हैं, उन्हें अपने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है, नहीं तो अनलिंक्ड पैन निष्क्रिय हो जाएगा।

31 मार्च 2022 से पहले पैन को आधार से लिंक करना मुफ्त था और उसके बाद 1 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022 के बीच यह 500 रुपये था। हालांकि अब 1000 रुपये का फाइन देकर 31 मार्च 2023 तक आधार पैन को लिंक कर सकते हैं लेकिन अब यह तारीख बढ़कर 30 जून 2023 हो चुकी है। यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं तो आपका पैन निष्क्रिय हो जाएगा। आधार को पैन से लिंक करने की प्रक्रिया सीधी है और आप इसे अपने घर के आराम से ऑनलाइन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

संसद के दोनों सदनों में राहुल गांधी की सदस्यता के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा जारी

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद में आज भी विपक्ष का हंगामा जारी है. पिछले कई दिनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता जाने के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है. ऐसे में सदन की कार्यवाही बाधित हो रही है. लोकसभा और राज्यसभा में आज भी राहुल गांधी की सदस्यता खत्म किए जाने और कई अन्य मुद्दों पर विपक्ष का हंगामा जारी है. ऐसे में राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी, लेकिन दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा शुरू हो गया. सदन में आज प्रश्नकाल फिर नहीं हो पाया।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

57,613.72–40.14 (0.070%)

निफ्टी

16,951.70–34.00 (0.20%)

मजबूत लड़ाई के लिए तैयार रहो: मोदी

नयी दिल्ली/एजेंसी।

मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी नेताओं से कहा कि वह एक मजबूत लड़ाई के लिए तैयार रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे जैसे पार्टी सफलता की सीढ़ियां चढ़ेगी, वैसे ही विपक्षी पार्टियों द्वारा ज्यादा हमले किए जाएंगे। संसद परिसर में यह बैठक आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत में तीन राज्यों में सत्ता हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया गया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान पार्टी सांसदों को नसीहत दी कि वह नौ साल के दौरान सरकार द्वारा किए गए कामों को जनता के बीच लेकर जाएं और अपने-अपने क्षेत्रों में इनका प्रचार करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 मई से 15 जून तक सभी सांसद अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में जनता के बीच जाएं। बता दें कि लोकसभा चुनाव में एक साल का समय बचा है। यही वजह है कि विपक्ष जहां सरकार के खिलाफ माहौल बनाने में जुटा है, वहीं सरकार भी जनता के बीच अपने कामों को पहुंचाने में जुट गई है। बता दें कि मानहानि मामले में राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के बाद विपक्ष सरकार के खिलाफ उग्र हो गया है। विपक्ष सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर देशभर में विरोध प्रदर्शन की रणनीति बना रहा है। विपक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता को लोकतंत्र पर हमला बता रहा है। वहीं भाजपा राहुल गांधी पर ओबीसी वर्ग का अपमान करने का आरोप लगा रही है। इससे पहले राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान पर भी हंगामा जारी है। विपक्ष जहां अदाणी मामले पर जेपीसी का गठन करने की मांग कर रहा है तो वहीं सत्ता पक्ष राहुल गांधी से लंदन में दिए बयान पर माफी की मांग कर रहा है।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

31 मार्च को सिदो कान्हू चौक से निकाला जाएगा मशाल जुलूस

छात्रों ने कहा हेमंत सरकार को समझने की जरूरत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय दुमका में छात्र समन्वय समिति की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।मौके पर छात्र नेता ने कहा कि आगामी 31 मार्च को सिदो कान्हू चौक से मशाल जुलूस निकाला जाएगा।मशाल जुलूस पूरे शहर में संवैधानिक तरीके से निकाला जायेगा। बताया कि सरकार की ग़लत नीतियों के विरुद्ध संध्या 4 बजे से 6 बजे के बीच मशाल जुलूस के साथ पूरे शहर में भ्रमण किया जायेगा। मशाल जुलूस एवं 1 अप्रैल 2023 को आहूत सांकेतिक बंदी में संताल परगना प्रमंडल के सभी युवा युवतियां,मोटर वाहन यूनियन,चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज,बस मालिको,सभी प्राईवेट स्कूल के संचालकों,सभी गैर सरकारी संगठनों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया है।प्रेस कांफ्रेंस के मध्यम से छात्र समन्वय समिति की ओर से कहा गया कि हेमंत सरकार एवं अनके सहयोगी कांग्रेस के द्वारा बनाई गई कई गलत नीतियों के कारण जनमानस की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

छात्र -छात्राओं ने सवाल उठाया कि क्या झारखंड इसी दिन के लिए बना था कि यहां के युवा रोजगार के लिए दर-दर भटके। उन्हें अपने ही राज्य में हक अधिकार के लिए सड़कों पर उतर कर आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़े। आज हालात यह है कि छात्र अधिकार और न्याय की मांग के क्रम में पुलिस की लाठी खा रहे है। उन्हें बेवजह झूठे केस का शिकार होना पड़ रहा है। जहां उन्हें रोजगार मिलना चाहिए वहां केस और पुलिस की लाठी मिल रही है।छात्र नेता शयामदेव हेम्ब्रम ने कहा कि झारखंड के हेमंत सरकार को यह बात समझ में आनी चाहिए कि 1951 के बाद केंद्र के विभिन्न सरकारी उपक्रमों में झारखंड में आए विभिन्न राज्यों के लोग एवं अनके परिवार बस गए है। सवाल उठता है कि झारखंड के स्थानीय खाता धारियों का क्या होगा? इस हालात में क्या हेमंत सोरेन ने झारखंड के आदिवासियों और मूल वासियों के साथ धोखा नहीं किया है?उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार 1932 के आधार पर स्थानीय नीति क्यों नहीं बनाया? 1932 शब्द के साथ अंतिम सर्वे सेटेलमेंट शब्द को क्यों नहीं जोडा गया है। क्या झारखंड में बाहर से आए लोगों की जनसंख्या अधिक हो गई है या फिर बाहर के लोगों का झारखंड के राजनीति में प्रभाव बढ़ गया। अगर बाहर के लोगों का झारखंड के राजनीति में प्रभाव है तो क्यों है यह बात हेमंत सरकार को समझने की जरूरत है।राजेंद्र मुर्मू ने बताया कि आज बाहरी लोग जो यहां रोजगार की तलाश में आए उन्होंने अपना वोटर कार्ड यहां बनवाया और वोट भी देते हैं क्या यह दोहरी नागरिकता नहीं है ऐसे लोगों को चिन्हित कर सरकार क्यों कार्रवाई नहीं करती है।आज पीजीटी में बहाली के लिए रिक्तियों के विरोध आवेदन मांगा जा रहा है। जिसमें आवेदन में साफ लिखा हुआ है कि पात्रता भारत की नागरिक हो। क्या ऐसे में झारखंड के युवाओं का हक नहीं मारा जा रहा है बिहार बिहारियों के लिए, बंगाल बंगालियों के लिए, तो क्या झारखंड झारखंडियों के लिए नहीं हो सकता है ?राजीव बस्की ने कहा कि झारखंड सरकार को जवाब देना चाहिए कि बिहार में भी प्लस 2 विद्यालयों के लिए बहाली निकाली गई,जिसमें प्रिंट मीडिया साफ तौर पर कहती है कि 40,506 पदों पर नौकरी बिहारियों के लिए है। लेकिन झारखंड में पात्रता पूरे भारत को माना जा रहा है जबकि दोनों राज्यों की डोमिसाइल एक ही है। क्या झारखंड सरकार का नियोजन नीति 60-40 का अनुपात उन लोगों के हित में नहीं बनाया जा रहा है जो झारखंड में बाहर से आए है और विभिन्न केंद्रीय उपक्रमों यथा सीसीएल, बीसीसीएल बीटीपीएस पीटीपीएस एवं एस.ए.आई. एल इत्यादि में काम कर रहे है।सरकार को जवाब देना चाहिए कि क्या झारखंड को एक चारागाह बनकर रह गया है। घर और छत तो बन गया लेकिन इसमें खिड़की और दरवाजा नहीं लगता है। जब जो चाहे आ जाए जब जो चाहे चला जाए। छत्तीसगढ़ का पोर्टल में सरकार को खोल कर देखना चाहिए जिसमें साफ तौर पर लिखा हुआ है कि भारत का नागरीक हो एवं छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होना चाहिए। क्या झारखंड में ऐसा नहीं हो सकता है। बंगाल में 90 प्रतिशत बंगालियों के लिए है, 5 प्रतिशत बाहरियों के लिए है। झारखंड में क्यों नहीं सकता है। इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। सरकार की गलत नीतियों में एक शिक्षा नीति भी है। जिसमें सरकार ने विश्वविद्यालय में सीयूईटी के तहत नामांकन अनिवार्य कर दिया है। संताल परगना के छात्र इसका विरोध करते है। इस संदर्भ में झारखंड सरकार को जवाब देना चाहिए। छात्र नेता ने बताया कि छात्र समन्वय समिति, दुमका झारखण्ड सरकार से मांग करती है कि खातियान के आधार पर स्थानीय नीति बनाई जाए। जिसमें 1932 को आधार माना जाय ।

खातियान के आधार पर नियोजन नीति बनाई जाय ।

रिक्तियों के विरूद्ध आवदेन में सिर्फ भारत के नागरीक न लिख कर के नागरीक एवं झारखंड राज्य का स्थानीय निवासी लिखा जाय ।60-40 का अनुपात रद्द किया जाय। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका में सीयूईटी को वापस किया जाय।उपरोक्त मांगे पूरी नहीं की जाने की स्थिति में छात्र समन्वय समिति दुमका आंदोलन के कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए आगामी 31 मार्च को पूरे संताल परगना प्रमंडल में मशाल जुलूस और 1 अप्रैल 2023 को संताल परगना में एक दिवसीय बंदी का आव्हान करने के लिए बाध्य हो जायेगी।सरकार फिर छात्र छात्राओं के हित में कुछ निर्णय नहीं लेती है तो पूरे झारखंड में अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी करने को मजबूर होंगे।जिसकी जिम्मेवारी सरकार को होगी।अवसर पर छात्र नेता शयामदेव हेम्ब्रोम,छात्र नायक शिवलाल मरांडी,वेंसिंट हंसदाक, विजय सिंह,राजेंद्र मुर्मू,भीमसेंट सोरेन,सोकोल हेम्ब्रोम,जियोनधन हंसदाक,बिमल टुडू,सुलिस सोरेन, मैनुअल हेम्ब्रोम,बबीता मरांडी, अर्चना टुडू,सोनी सोरेन,प्रेमलता टुडू कैटरीना सोरेन,सावित्री सोरेन, मैनुअल हेम्ब्रोम,मनोज मुर्मू प्रेम मुर्मू, बीएड,एमएंड एवं संताल परगना महाविद्यालय के हजारों छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

वित्तीय समावेशन : क्यों और कैसे पर सेमिनार का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संताल परगना महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ एस के अम्बष्ठ द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ के पी यादव द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन बैंक, एसकेएमयू शाखा की शाखा प्रबंधक स्वाति सिन्हा उपस्थित रहीं। वित्तीय समावेशन, क्यों और कैसे? विषय का परिचय एवं विषय प्रवेश विभागाध्यक्ष डॉ एस के अम्बष्ठ के द्वारा विस्तृत रूप से किया गया। प्राचार्य डॉ यादव ने आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को बैंकिंग से जुड़ने तथा जुड़कर अपने कार्यों का निष्पादन सही तरीके से करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज जब हमारा देश तकनीक की नई ऊंचाइयों को छू रहा है ऐसे में हम सबों को देश के विकास में अपना सहयोग देने के उद्देश्य से बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना ही समय की मांग है। विभाग के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि स्वाति सिन्हा ने कहा कि आज बैंकिंग के द्वारा सरकार विभिन्न योजनाओं को एक आम मनुष्य तक पहुंचाने का काम कर रही है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति बैंकिंग प्रणाली के विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हो रहे हैं। अतः आज बैंकिंग ऐच्छिक नहीं बल्कि आज की जरूरत है। कार्यक्रम में विभिन्न सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चायपानी के समीप अनियंत्रित होकर पलटा गिट्टी लदा हाईवा, कोई हताहत नहीं

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चायपानी के समीप आज मंगलवार को एक गिट्टी लदा हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया, हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाईवा गिट्टी लादकर सरस डंगाल की ओर से दुमका की ओर जा रहा था, तभी चाय पानी के समीप अनियंत्रित होकर हाईवा पलट गया। गनीमत यह रही कि चालक और उप चालक दोनों को कुछ नहीं हुआ,घटना की सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किये गये 10 बालक-बालिका

स्पान्सरशिप से जोड़े जाएंगे 9 बालक, एक पाकुड़ भेजा गया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट के समक्ष मंगलवार को 10 बालक-बालिकाओं को प्रस्तुत किया गया। इनमें से प्रत्येक बच्चे की एक अलग कहानी थी। नौ बालक-बालिकाओं को चाइल्डलाइन दुमका की टीम ने प्रस्तुत किया जबकि एक बालिका को एंटी 'मैन ट्रैफकिंग यूनिट (आहतु) की एसआई श्वेता कुमारी ने समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। 11 वर्षीय यह बालिका दुमका के प्रईवेट बस स्टैण्ड में मिली थी जिसे भटकता हुआ देखकर किसी ने नगर थाना पहुंचा दिया था। समिति के चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार, सदस्य डा राज कुमार उपाध्याय एवं नूतन बाला ने बालक, बालिकाओं और उनके माता-पिता व अभिभावकों का बयान दर्ज किया। 11 वर्षीय बालिका पाकुड़ जिला के पाकुड़िया थाना क्षेत्र की रहनेवाली थी जो घर से भाग कर दुमका पहुंच गयी थी। समिति ने बालिका एवं उसकी नानी का बयान दर्ज किया और फार्म-19 के तहत उसे इस शर्त के साथ उसकी नानी को सौंप दिया कि एक सप्ताह के अंदर वह बालिका को लेकर पाकुड़ के बाल कल्याण समिति के समक्ष हाजिर होगी। चाइल्डलाइन दुमका के टीम मेंबर निक्कु कुमार, मो इब्नूल हसन और निशा कुमारी ने छह बालकों व तीन बालिकाओं को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। ये बच्चे 08 से 15 आयु वर्ग के थे। इनमें से किसी के पिता की मृत्यु हो चुकी है तो किसी की मां ने दूसरी शादी कर ली है। ऐसे एक बालक को भी प्रस्तुत किया गया जिसके पिता के मृत्यु के बाद मां ने दूसरी शादी कर ली और बच्चों को ससुराल में उनके हाल पर छोड़ दिया। एक मामला ऐसा भी था जिसमें दूधमुंहे बच्चे समेत अपने तीन बच्चों को छोड़ कर मां मायके में रह रही है। बच्चों का पिता हिमाचल प्रदेश में काम करता है और बच्चों की देखभाल उसकी दादी करती है। इन नौ मामलों की सुनवायी के दौरान अधिकतर मामले ऐसे पाये गये जिनमें बच्चों को स्पान्सरशिप योजना से जोड़ कर उन्हें हर माह 2000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा सकती है ताकि वे अच्छे से पढ़ाई कर सके और उन्हें पोष्टिक भोजन मिल पाये। बच्चों के अभिभावकों को 75000 रुपये से कम का वार्षिक आय प्रमाण पत्र और स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र जमा करने का निर्देश दिया गया ताकि बच्चों को स्पान्सरशिप योजना का लाभ देने के लिए चयन किया जा सके। एक बच्चा ऐसा भी था जिसकी मां उसके आंखों का इलाज नहीं करवा रही थी और न ही कोरोना के बाद से उसका किसी स्कूल में नाम लिखवाया था। बालक का सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने और विद्यालय में नामांकन करवा कर उसकी रिपोर्ट देने को कहा गया। वचनबंध लेकर सभी बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ घर भेज दिया गया है।

जब श्रम विभाग ने एक्शन लिया तब टूटी कंपनी की नींद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । ऊर्जा मित्रों से काम कराकर मजदूरी का भुगतान नही करने का मामला अब अपर श्रमायुक्त कार्यालय में पहुँच चुका है। जिला प्रशासन की पहल पर ऊर्जा मित्रों के बकाये मजदूरी भुगतान को लेकर मंगलवार को श्रम अधीक्षक एमडी अकीक के कार्यालय में सुनवाई हुई।सुनवाई के दौरान ऊर्जा मित्रों के अलावा आउटसोर्सिंग कंपनी वैभव इंफ्रा टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद थे। श्रम अधीक्षक ने सुनवाई के दौरान सभी पक्ष को उपस्थित रहने के लिए नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान ऊर्जा मित्रों ने श्रम अधीक्षक को अपनी व्यथा सुनाई और कहा कि बीते सात महीनों से बकाये मजदूरी भुगतान के साथ ही कंपनी द्वारा इपीएफ और आइएसबीआइ का बकाया रखा गया है। ऊर्जा मित्रों के मुताबिक दुमका के करीब 180 ऊर्जा मित्रों को बीते 17 महीनों से इपीएफ और आइएसबीआइ नही दिया गया है। सात महीने का मजदूरी भुगतान भी बकाया है। नो पे, नो वर्क की मांग पर सभी ऊर्जा मित्र 17 दिनों तक हड़ताल पर रहे बावजूद कंपनी ने कोई पहल नही की। थक-हारकर हमने सीएम से लेकर स्थानीय प्रशासन से गुहार लगायी और बिजली विभाग के आश्वासन पर सभी ऊर्जा मित्र 18 मार्च को काम पर भी लौट भी गए लेकिन कंपनी की ओर से कोई सकारात्मक पहल नही की गई। इधर आउटसोर्सिंग कंपनी वैभव इंफ्रा टेक इंडिया के प्रोजेक्ट मैनेजर विशाल ने कहा कि ऊर्जा मित्रों का महज तीन महीनों का मजदूरी बकाया है जिसपर कंपनी ने 30 अप्रैल तक का समय मांगा है। एग्रीमेंट में कुछ टेक्निकल इशयूज की वजह से मजदूरी भुगतान में देर हो रहा है। टेक्निकल इशयूज को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। वही श्रम अधीक्षक अकीक ने कहा कि कंपनी सरकार के स्तर से पेमेंट में हो रही देरी को समस्या बताया है। ऊर्जा मित्रों को रजिस्ट्रेशन के लिए कहा गया है। कंपनी ने बकाये मजदूरी का भुगतान करने के लिए समय मांगा है अगर तय समय पर भुगतान नही होती है तो विभाग आगे की कार्रवाई करेगी।

प्रखंड परिसर में एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड परिसर में एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया।आयोजित स्वास्थ्य मेले को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष जोयेस बेसरा ने कहा कि अधिकतर शराब पीने के कारण लोग टीवी के मरीज हो रहे हैं।पूर्व में जिसका इलाज कठिन था लेकिन वर्तमान समय में इसका इलाज आसान हो गया है।नियमित दवा का सेवन करने से रोग पूर्णतया ठीक हो जाता है। उसी प्रकार कुष्ट रोग भी अब ठीक हो रहा है।आवशयकता है उसका बेझिझक इलाज कराने का।शर्म से बीमारी बढ़ती ही है घटती नहीं है। स्वास्थ्य मेला में आएं लोगों को दुमका एसीएमओ आनंद मोहन सोरेन ने भी संबोधित करते हुए सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। बताते चलें कि प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला के आयोजन के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार नहीं होने के कारण साप्ताहिक हाट होने के बावजूद लोगों की उपस्थिति काफी कम रही। भेड़िया से ज्यादा गडेरिया वाली कहावत चरितार्थ होते देखी गई।यहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य मेला में लगाए गए स्टॉल की भी जानकारी नहीं दे पाए।

इसका पूर्ण रूप से ब्रीफिग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी बरियार बेसरा ने किया। आयोजित कार्यक्रम से यह स्पष्ट हो गया कि प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी झारखंड सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना नहीं चाहते हैं। अवसर पर टीवी के 10 लाभुकों के बीच पोषाहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख हुदू मरांडी,प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी,अंचल अधिकारी राजू कमल, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमिताभ झा, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष चुंडा हेंब्रम, प्रभुनाथ हंसदा, लाल मोहम्मद उर्फ लालू,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर देवानंद मिश्रा ,डॉ गौरव ,भीम मुर्मू, डॉ कुलदीप सिंह ठाकुर के साथ जिला से आई हुई मेडिकल की टीम मौजूद थी।

संक्षिप्त समाचार

18 गठित टीम द्वारा 66 पीडीएस दुकानों पर किया गया था औचक निरीक्षण

- उपायुक्त के निर्देशानुसार 3 डीलरों को जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने किया निलंबित
- हरिहर ठाकुर, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत- बांडू, प्रखंड -लिट्टीपाड़ा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया गया

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। 10 मार्च को बड़े पैमाने पर उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा 18 गठित टीम के द्वारा जिले के 66 पीडीएस दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। उपायुक्त के स्तर से गठित टीम के प्रत्येक अधिकारियों को पीडीएस दुकानो के सघन जांच के आदेश दिए गए थे। जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा इन तीनों डीलरों को निलंबित किया.

1.ज्योति किरण स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता पंचायत- बासेतकुंडी, प्रखंड- पाकुड़िया
2.रायसेन सोरेन, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत- बलियाडंगाल, प्रखंड-महेशपुर
3.मो ईसराईल, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत- दादपुर, प्रखंड- पाकुड़।

रामनवमी शांति और सौहार्द पूर्ण संपन्न कराने को ले फ्लैग मार्च निकली गई

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड में रामनवमी शांति और सौहार्द पूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य पुलिस अधीक्षक पाकुड़ के निर्देश पर हिरणपुर बाजार में निकाला गया फ्लैग मार्च। फ्लैग मार्च हिरणपुर थाना से मिशन रोड एवं लिट्टीपाड़ा रोड मैं नामों पाड़ा का भ्रमण करते हुए मवेशी हाट से हिरणपुर थाना पहुंचे। फ्लैग मार्च मैं अंचलाधिकारी हिरणपुर मनोज कुमार जहां मुख्य रूप से थे वहीं पुलिस इंस्पेक्टर एसआर दास, थाना प्रभारी हिरणपुर सुनील कुमार रवि के अलावे एस आई विनोद सिंह, रोशन सिंह, अरविंद राय, रविंदर पासवान, राजेश दास, बिरसा टूटी सहित अतिरिक्त पुलिस बल और महिला पुलिस शामिल थे।

उदयीमान सुर्य को अर्ध्य के साथ मंगलवार को चैती छठ हुआ संपन्न

हिरणपुर (पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । हिरणपुर में उदयीमान सुर्य को अर्ध्य के साथ मंगलवार को चैती छठ हुआ संपन्न। इसके साथ ही लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व मंगलवार को भगवान सूर्य को अध्रर्य देने पाकुड रोड स्थित छठ पोखर में इस वर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मालूम हो कि हिरणपुर में चैती छठ का प्रचलन पहले बहुत कम देखा जाता था परंतु इस वर्ष चैती छठ में भी काफी संख्या में व्रतियों को श्रद्धा- भक्ति के साथ व्रत करते देखा गया।

सप्तमी पूजा को लेकर कलश यात्रा निकाली गई

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मंगलवार को श्री श्री मां बसंती चैती दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित सिद्धू कानू नगर मां बसंती चैती दुर्गा मंदिर प्रांगण से सप्तमी पूजा को लेकर कलश यात्रा वार्ड नंबर 34 अलीगंज के सिद्धू कानू नगर से निकलकर शहर के हाटपाड़ा, बिरसा चौक होते हुए काली भाषण पोखर पहुंची वही बालिकाओं ने कलश में जल भरकर उन्हें अपने गंतव्य स्थान सिद्धू कानू नगर पहुंची। कलश यात्रा में 200 से अधिक बालिकाओं में कलश यात्रा में भाग लिया। मौके पर मुख्य रूप से वार्ड नंबर 3 के वार्ड सदस्य अजय रविदास, समिति के अध्यक्ष दिनेश हज़रा, सचिव सूरज हजरा, सदस्य सौरभ कुमार त्रिवेदी, स्वराज सिंह, आनंद कुमार साह, तारकेश्वर मिश्रा, गुरुदेव राय, पंकु साह, चरण राय।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत सभी कार्यों को 31 मार्च तक करें पूर्ण

उपायुक्त ने जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की

उपायुक्त ने खराब पड़े चापाकलों को एक सप्ताह में दुरुस्त करने का दिया निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त वरुण रंजन ने जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा क्रम में उपायुक्त वरुण रंजन ने जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र मे एसवीएस, एचवीएस, कलस्टर एचवीएस, सिंगल विलेज योजना एवं कलस्टर एसबीएस अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति का क्रमवार समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में पाया गया की सुशील भगत एवं सोम्या दर्शन के द्वारा कार्य समय से नहीं किया जा रहा है। उपायुक्त द्वारा स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया। शहरी जलापूर्ति योजना के समीक्षा क्रम में बताया गया कि पम्प हाउस / मैकेनिकल वर्क एवं विद्युत संयोजन का कार्य किया जाना शेष है, जिसे माह जून तक कम्पलीट किया जाना है। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि संबंधित संवेदक से कार्य विलंब करने के कारण स्पष्टीकरण की माँग की जाए। संतोषजनक जवाब नहीं आने पर संवेदको को काली सूची में डालने हेतु कार्रवाई की जाएगी। लिट्टीपाड़ा बहुग्रामीण जलापूर्ति के समीक्षा क्रम में बताया गया कि योजना के तहत जॉन पांच एवं छः में 15 अप्रैल तक वाटर सप्लाई किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में जिले में कुल 262 अदद ग्रामों को वर्ष 2022-2023 के लिए ओडीएफप्लस के रूप में चिन्हित करने का लक्ष्य निर्धारित है जिसके विरुद्ध अभी तक कुल 122 ग्रामों को एमआईएस पोर्टल पर ओडीएफ प्लस किया जा चुका। 31 March तक कुल 230 मद ग्रामों को ओडीएफ प्लस के रूप में में चिन्हित की जाएगी। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्रामस्तर पर सुखा कचरा, गीला कचरा, प्लास्टिक प्रबंधन गोवर्धन योजना आदि का सही कार्य योजना तैयार कर काम करें, ताकि योजनाओं का सही रूप से मॉनिटरिंग करते हुए पूर्ण की जा सके. उपायुक्त ने सभी संवेदको को स्थानीय प्रखंड विकास पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर स्थानीय समिति की देख रेख में कार्य संचालित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत संचालित कार्यों का जिले के सक्षम पदाधिकारी निरीक्षण कर योजना की कार्य प्रगति का जायजा लेंगे ताकि योजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जा सके। इस दौरान कार्यलक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल राहुल कुमार श्रीवास्तव, जिला समन्वयक सुमन कुमार मिश्रा ज़िला समन्वयक टक्र रितेश कुमार एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।

खराब चापाकल मरम्मती को लेकर जारी किया हेल्पलाइन नंबर

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। गर्मी का मौसम शुरू है ऐसे में जिलेवासियों को पेयजल की समस्या नहीं हो इसके मद्देनजर उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पाकुड़ द्वारा खराब चापाकलों की मरम्मत से संबंधित शिकायत के निष्पादन हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जो 9:00 बजे पूर्वाहन से अपराहन 6:00 बजे तक कार्यरत रहेगा। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में उमेश किस्कू, निम्नवर्गीय लिपिक, मोबाइल संख्या- 9798796348 एवं संदीप कुमार निम्नवर्गीय लिपिक, मोबाइल संख्या- 6207206524 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। साथ ही प्रखंडवार कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता का मोबाइल नंबर भी प्रकाशित की जा रही है। जिसपर आमजनों द्वारा शिकायत दर्ज करना नलकूप मरम्मती कराई जा सकती है।

पाकुड़ प्रखंड, अमड़ापाड़ा प्रखंड एवं हिरणपुर प्रखंड के लिए कनीय अभियंता दिनेश मंडल, मोबाईल नम्बर- 9155863727 एवं सहायक अभियंता अभिजीत किशोर, मोबाईल नम्बर- 9773807198 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल कर खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिए कनीय अभियंता जेम्स मुर्मू, मोबाईल नम्बर-8340763109 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल करके खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

महेशपुर प्रखंड एवं पाकुड़िया प्रखंड के लिए चंदन कुमार, मोबाईल नम्बर-9060535260 पर संबंधित प्रखंड के आमजनों से अपील है कि इस नम्बर पर कॉल करके खराब चापाकलों की मरम्मती से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन वाले निजी अस्पताल पर छापेमारी

बदायूँ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बदायूँ जिले के कश्वे में एसडीएम ज्योति शर्मा ने बिना रजिस्ट्रेशन और झोला छाप अस्पतालों पर छापेमारी की है. जिससे निजी अस्पताल संचालकों में खलबली मच गयी और वो शटर गिराकर फरार हो गये ।वहीं केएमसी हेल्थ केयर अस्पताल में पहुंचते ही अस्पताल संचालक मोके से फरार हो गया . अस्पताल में मौजूद नर्श और वार्ड वॉय को हिरासत में लिया गया है। बता दें कि लगभग 15 दिन पहले भी छापेमारी के दौरान केएम सी हेल्थ केयर संचालक शटर गिराकर फरार हो गया था तभी एसडीएम ज्योति शर्मा ने एक नोटिश चश्पा करा दिया था कि निर्धारित समय पर अपने कागजात लेकर ऑफिस में दिखायें ।इसके बावजूद भी फिर से अस्पताल खोल लिया गया ।

तीन दिवसीय भव्य रामनवमी महोत्सव का हुआ शुभारंभ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । रामनवमी के पावन अवसर पर पाकुड़िया हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय भव्य रामनवमी महोत्सव का उद्घाटन सोमवार रात्रि को आमंत्रित विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी पाकुड़िया अभिषेक कुमार राय, पाकुड़िया पंचायत की मुखिया अनिता सोरेन एवं पंचायत समिति सदस्य गायत्री देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों का भव्य स्वागत कथावाचक गौतम जी महराज ने केशरिया चादर ओढ़ाकर अपने आशीर्वचनों के साथ किया। अतिथियों द्वारा महोत्सव उद्घाटन के बाद तीन दिवसीय संगीतमय भजन एवं प्रवचन का शुभारंभ कथावाचक पंडित गौतम महराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की स्तुति के साथ किया। इस अवसर पर मंच पर विराजमान देवताओं की झांकी की वंदना यजमान विजय भगत एवं उनकी पत्नी अन्नु देवी ने आरती बन्दना कर किया। इधर रामनवमी महोत्सव अनुष्ठान के प्रथम दिन गौतम जी महराज ने पहले रामायण के रचयिता महर्षि बाल्मिकी और श्रीरामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनो महान आत्मा एक ही अवतार थे। एक अवतार में महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्री राम के जन्म के पहले ही संस्कृत में रामायण की रचना कर दी थी वहीं दूसरे अवतार में गोस्वामी तुलसी दास ने हिंदी में राम चरित मानस की रचना की थी। तुलसीदासजी ने अयोध्या में जब रामचरितमानस लिखना शुरू की थी उस दिन चैत्र मास की रामनवमी दिन मंगलवार वैसा ही योग था जैसा त्रेता युग में श्री राम जन्म के समय था। रामायण और राम चरित मानस में भगवान विष्णु का मानव रूप रामवतार पर उनके चरित्र पर व्याख्यान किया गया है जो संसार के हर मनुष्य के लिए एक आदर्श है। कथा के एक प्रसंग में राम और रावण के बारे में अंतर पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राम को लोग इसलिए पूजते हैं कि उनके पास चरित्र था जबकि रावण को लोग इसलिए नहीं पूजते हैं कि उनके पास संसार का सभी सुख संपदा और शक्तियां रहते हुए भी उनके पास चरित्र नही था। आज संसार के सभी लोगो को राम के चरित्र को अपनाते हुए अपने जीवन में उनके आदर्श को स्थापित करनी चाहिए। इस अवसर पर भगवान राम के चरित्र को सुनते हुए श्रद्धालुओ ने भाव विभोर होकर भक्ति गंगा में खूब डुबकी लगाई। इस दौरान बीच बीच में गौतम जी महराज ने भक्ति संगीत की प्रस्तुति कर उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और भक्तिरस में डूबकर खूब ठुमका लगाने को मजबूर कर दिया।

नौकरी की मांग को लेकर विस्थापित और प्रभावित क्षेत्र शिक्षित बेरोजगार युवक ने किया घंटों सड़क जाम

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की मांग को लेकर विस्थापित और प्रभावित क्षेत्र शिक्षित बेरोजगार युवक ने घंटों किया सड़क जाम। कॉल परियोजना क्षेत्र के विस्थापित एवं प्रभावित स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवक ने मंगलवार को अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बीपीएल मोड़ के समीप कोयला पथ को एएफएस कंपनी के विरोध में जाम कर दिया। प्रभावित एवं विस्थापित क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि बीजीआर कॉल कंपनी ने सिक्योरिटी गार्ड के लिए एएफएस प्राइवेट कंपनी को सिक्योरिटी गार्ड की बहाली के लिए टेंडर दी है। एएफएस कंपनी के द्वारा सिक्योरिटी गार्ड की बहाली के लिए थाना क्षेत्र के बीपीएल मोड़ के समीप दो बार और और नया युवकों को भर्ती कराया गया, भर्ती करने के बाद कंपनी के द्वारा सिक्योरिटी यूनिफॉर्म भी उपलब्ध कराया गया लेकिन बिना ट्रेनिंग के कैसे अपनी ड्यूटी कर सकते हैं। बीजीआर कंपनी के द्वारा सभी युवाओं को सिक्योरिटी गार्ड के लिए तैनात नहीं किया गया। आज पुनः सिक्योरिटी गार्ड बहाली के लिए सभी युवाओं को बुलाया गया था लेकिन कंपनी के द्वारा टालमटोल करते हुए इंसानों को दरकिनार कर दिया।

विस्थापित एवं प्रभावित युवाओं ने बाध्य होकर कंपनी के विरोध में सड़क पर उतर कर धरना नौकरी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस जामा स्थल पर पहुंचकर स्थानीय युवाओं को समझाने बुझाने का काम किया लेकिन युवा मानने को तैयार नहीं है। जानकारी मिलते ही पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव जामा स्थल पर पहुंचकर युवाओं को समझाने बुझाने का काम लेकिन मानने को तैयार नहीं है। युवाओं का कहना है कि कंपनी हम लोग को नौकरी दें नहीं तो कंपनी के विरोध में उग्र आंदोलन किया जाएगा. युवाओं को काफी समझाने का प्रयास किया गया.

झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के पहली महिला निदेशक बनी मुन्नी रजक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के निदेशक पद के लिए चुनाव सोमवार को झारखंड स्टेट कॉपरेटिव बैंक के प्रधान कार्यालय रांची मैं चुनाव संपन्न हुई. पाकुड़ जिला के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के अंतर्गत कमलघाटी लैंपस कि प्रतिनिधि मुन्नी रजक अपने प्रतिद्वंदी मंजू बोदरा को पराजित कर पाकुड़ जिले की प्रथम निदेशक बनी, मुन्नी देवी ने कहा कि झारखंड कोऑपरेटिव के अंतर्गत पाकुड़ जिले के एवं संथाल परगना एवं राज्य के सभी लैंपस की जो भी समस्या होगी सबको दूर करना प्राथमिकता होगी और हर संभव प्रयास रहेगा कि लैंपस से संबंधित सभी समस्याओं को दूर करना हमारी प्राथमिकता होगी. मुन्नी रजक को विजय होने पर पाकुड़ जिला के सभी लैंपस कमेटी एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है. प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्नी रजक भारतीय जनता पार्टी की हिरणपुर महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी है, मौके पर उपस्थित भाजपा अनुसूचित जन जाति मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दानियाल किस्कु, भाजपा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास, भाजपा के कैलाश प्रसाद सिंह, मनोज कुमार साह, समाजसेवी दिगंबर प्रसाद सहा, रीता पासवान आदि कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ फूल माला देकर स्वागत किया.

नवरात्रि पूजा पर एसपी सांसद का बड़ा बयान

संभल । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने नवरात्रि पर प्रत्येक जिले को पूजा पाठ करने के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की है. तो वहीं विपक्षी समाजवादी पार्टी ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है. संभल लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने इस पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि क्या मजहबी काम भी सरकार ताकत से कराएगी? उन्होंने कहा कि मजहबी काम में दखल देना सियासी बात हो गई है इबादत और पूजा पैसों से नहीं की जाती है इसके लिए दिल की भावनाएं होनी चाहिए।

नगर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए होम गार्ड जवानों की हो तैनाती

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर जिला ऑटो-ई-रिक्शा ऑनर्स-चालक एसोसिएशन झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष हिसाबी राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त वरूण रंजन को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर क्षेत्र में होमगार्ड के जवानों के सहयोग से यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने का आग्रह किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष हिसाबी राय ने उपायुक्त से आग्रह करते हुए कहा कि विभिन्न संगठनों के स्तरों पर पहले भी आग्रह किया गया था कि पाकुड़ नगरीय क्षेत्र में यातयात व्यवस्था का×फी अनियंत्रित एवं असामान्य है। लगभग प्रतिदिन आम नागरिकों को जाम तथा अन्य तरह की यातायात समस्याओं का सामना करना पड़ता है।जाम की समस्या प्रमुखतः पाकुड़ नगर के रेलवे फाटक (पूर्वी व पश्चिमी) खुदीराम बोस चौक, गांधी चौक, हिरण चौक हाटपाड़ा, अटल चौक एवं व्यवहार न्यायालय के सामने होती है। प्रशासनिक स्तर पर इस पर समय समय पर ध्यान भी दिया गया है, लेकिन ट्रैफिक पुलिस की तैनाती के विषय जवानों की कमी की बाध्यता की बात कही गई थी। पिछले दिनों भारी संख्या में होमगार्ड जवानों की बहाली पाकुड़ में हुई है।अगर इन जवानों को ट्रैफिक के जानकार पुलिस जवानों से प्रशिक्षण दिलाकर प्रत्येक चौराहे, तिराहे या आवश्यतानुसार इनकी तैनाती की जाती है, तो यातायात व्यवस्था की अव्यवस्था पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही इन जवानों की उपस्थिति में अनियंत्रित रफ्तार तथा टोटो या अन्य वाहनों के जहाँ-तहाँ रोकने,जाम की स्थिति पैदा करने वालों पर भी रोक लगेगी। नाबालिग एवं बाहरी अनियंत्रित चालकों में भी यातायात नियमों की अवहेलना पर एक भय का माहौल तथा नियंत्रित वाहन चालन की प्रवृत्ति का विकास होगा। वही एसोसिएशन के द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पर उपायुक्त, पाकुड़ वरूण रंजन ने ठोस पहल करने का आश्वासन दिया।वही ज्ञापन सौपे जाने के बाबत एसोसिएशन के सचिव अनिकेत गोस्वामी ने बताया कि प्रशासन ने अनुमंडलाधिकारी हरिवंश पंडित की अध्यक्षता में दिनांक 23/11/22, 29/12/2022, 14/3/23, 21/3/2023 को भी बैठक शहरी यातायात पर की थी और कई बातों पर विचार कर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया था तथा इस पर लगातार कार्रवाई भी हो रही है। इसके अलावे भी समय समय पर इस ओर प्रशासन का ध्यान गया है,कई संगठनों ने प्रशासन का ध्यान यातायात अव्यवस्था पर आकृष्ट भी कराया है। इस ओर विशेष ध्यान देने और ट्रैफिक जवानों की कमी को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षित कर पूरा करने की आवश्यकता है। वर्दीधारी जवानों की हर जगह उपस्थिति ही यातयात व्यवस्था में जाम एवं अनियंत्रित वाहन चालन पर बहुत हद तक नियंत्रण कर लेगा। वही प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के सुशील साहा, मुरारी मंडल, मोनी कुमार सिंह मौजूद थे।

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, राजगीर (नालन्दा,बिहार) में नेशनल संमिनार का आयोजन

युवा शोधार्थियों को वैज्ञानिक इतिहास लेखन की जानकारी आवश्यकः डा.दिनेश नारायण वर्मा,इतिहासकार

झारखंड देखो(प्रतिनिधि)।

दुमका। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्,नई दिल्ली द्वारा प्रयोजित और इतिहास विभाग, गवर्नमेन्ट डिग्री कालेज,राजगीर(नालन्दा)बिहार एवं इतिहास संकलन समिति,बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार 26-27 मार्च 2023 शानदार ढंग से सम्पन्न हो गया। स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के आन्दोलनकारियों की अग्रणी भूमिका विषयक सेमिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापको और शोध विद्वानों ने अपने आलेख प्रस्तुत किये। गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों और उनके क्रांतिकारी योगदान को प्रामाणिक ढंग से रेखांकित करने के उद्देश्य से इस दो दिवसीय सेमिनार में कई सेशन आयोजित किये गये। 27 मार्च को आयोजित प्रथम सत्र के बतौर चेयरपर्सन स्टडी एंड रिसर्च सेंटर (चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली,रामपुरहाट,वीरभूम,पश्चिम बंगाल) के संस्थापक निदेशक डा. दिनेश नालायण वर्मा ने शोध करने और शोध पत्र तैयार करने के सम्बन्ध में विवि अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप इनकी बारिकियों की चर्चा की और अवधारणा, परिकल्पना,अभिलेखीय रुोत, सेकेन्डरी रुोत,नोट्स आदि पर विशेष रूप से फोकस किया।इतिहासकार वर्मा ने शोधार्थियों को अपने शोध के थीम पर फोकस करने,इसके व्यवस्थित लेखन और अपनी भाषा पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी । उन्होंने वैज्ञानिक इतिहास लेखन पर जोर दिया और इसकी महत्ता को रेखांकित किया और कहा कि वैज्ञानिक इतिहास लेखन हेतु आज के युवा शोघार्थियों को इससे अवगत होना आवश्यक है। इसके पूर्व प्रोफेसर डा.अभयानन्द सिन्हा,समन्वयक,राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कुलसचिव,पाटलिपुत्र विवि ,पटना,महाविद्यालय के इतिहास विभागध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक डा.धीरेन्द्र उपाध्याय और हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.हेमन्त कुमार झा ने इतिहासकार वर्मा को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका सम्मान किया और जनजातीय इतिहास लेखन में उनके मौलिक योगदान की चर्चा की। इतिहास विभागध्यक्ष डा.धीरेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इतिहासकार वर्मा इतिहास संकलन समिति,बिहार के जनजातीय इतिहास लेखन प्रोकष्ठ के प्रमुख हैं और इस रूप में उनका लेखन वैज्ञानिक और प्रशंसनीय है। इस सत्र में डा.गोपाल प्रसाद,डा. एम.अख्तर,जय श्री,डा.रावत कुमार,साहिल कुमार,डा.बबीता कुमारी सिन्हा,राकेश कुमार, शकुन्तला कुमार,शयाम सुन्दर कुमार,सोनी कुमारी,कृतिमा कुमारी,जंयती कुमारी,राहुल कुमार,प्रदीप कुमार और अक्षय कुमार ने अपने शोध आलेख प्रस्तुत किये और स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के आन्दोलनकारियों की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला। इन आलेखों पर वृहद चर्चा में कई शोधार्थियों नें सक्रिय योगदान किया और सत्र के चेयरपर्सन डा.वर्मा और को-चेयरपर्सन प्रोफेसर डा. हेमन्त कुमार झा ने भी अपने विचार रखे और शोधार्थियों को उनके सक्रिय योगदान के लिए धन्यवाद दिया।ज्ञातव्य है कि 26 मार्च को इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर (वियायतन,राजगीर) में बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और प्रार्षद रीना देवी ने दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया और स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के आन्दोलनकारियों की अग्रणी भूमिका की विवेचना की। मौके पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,नयी दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव प्रो.डा. राजीव रंजन, मुंगेर विवि की कुलपति डा.शयामा राय,बीआरए .बिहार विवि.मुजफ्परपुर के इतिहास विभागध्यक्ष डा.अजीत कुमार, इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय महामंत्री डा.बालमुकुन्द पाण्डेय,पाटलिपुत्र विवि. के कुलपति डा.आर.के. सिंह और इसके इतिहास विभागाध्यक्ष सह संकायाध्यक्ष प्रो.डा.राम किशोर सिंह (प्राचार्य) आदि ने भी सेमिनार में अपने विचार रखे। अथितियों का स्वागत प्रो.डा.अभयानन्द सिन्हा धन्यवाद ज्ञापन कालेज के प्राचार्य डा.शशिभूषण पाण्डेय और मंच का संचलन प्रोडाच धीरेन्द्र उपाध्याय ने किया।

लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उप विकास आयुक्त, दुमका-सह- वरीय पदाधिकारी, दुमका प्रखण्ड द्वारा प्रखण्ड सभागार दुमका में समीक्षा बैठक किया गया। समीक्षा बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन, पशुधन विकास योजना, मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, पशुशेड निर्माण,एन एम एम एस , सभी गाँव में योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि योजनाओं की समीक्षा संबंधित पदाधिकारी, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक तथा अन्य कर्मियों के साथ किया गया । समीक्षा बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत लंबित द्वितीय किस्त तथा लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश दिया गया । मुड़भंगा, रामपुर, रानीबहाल पंचायत में प्रगति धीमी पाये जाने के कारण संबंधित पंचायत के पंचायत सचिव और पंचायत स्वंयसेवक को स्पष्टीकरण किया गया। पंचायतों में जारी वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना में से कम से कम दो योजना को 31 मार्च 2023 तक पूर्ण करने का निदेश दिया गया। बीटीएम और एटीएम को 02 अप्रैल 2023 तक केसीसी का प्रति कृषक मित्र 20 आवेदन प्राप्त करने का निदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त अंचल कार्यालय में लंबित वादो का समीक्षा करते हुए ससमय निष्पादन करने का निदेश दिया गया। समीक्षा बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका, अंचल अधिकारी, दुमका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, दुमका, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी, दुमका, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी, दुमका प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, दुमका-1 एवं दुमका सदर, महिला प्रसार पदाधिकारी, दुमका, प्रखण्ड समन्वयक , दुमका प्रखण्ड, सभी मुखिया, सभी पंचायत सचिव, सभी रोजगार सेवक, सभी पंचायत स्वंयसेवक आदि उपस्थित थे।

कोल आवंटित क्षेत्र लताकांदर गांव के प्रवेश मार्ग पर ग्रामीणो ने सूचना पट्ट लगाकर किया कोल कंपनी का विरोध

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल कंपनी को आवंटित क्षेत्र में ग्रामीणों का विरोध बढ़ता जा रहा है.ग्रामीण किसी भी कीमत पर अपनी जमीन कोल कंपनी को नहीं देना चाहते हैं. उनका कहना है जान ले लेंगे जमीन नहीं देंगे. जल जंगल जमीन हमारा है यह हमारे पूर्वजों की धरोहर है । स्थानीय प्रशासन द्वारा जितना भी ग्रामसभा कराने का प्रयास किया जा रहा है जनता उसका विरोध कर रही है .उसी का परिणाम अब देखने को मिल रहा है कि गांव के प्रवेश मार्ग पर सूचना पट्ट लगाकर विरोध किया जा रहा है.सूचना पट्ट में स्पष्ट लिखा हुआ है कि ग्रामसभा की अनुमति के बिना किसी भी सरकारी या गैर सरकारी संगठनों का प्रवेश निषेध है। गौरतलब है कि शिकारीपाड़ा प्रखंड के जमरू पानी एवं शहर पुर बेश के 21 मौजा का एमओयू सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के साथ तथा 20 मौजा का एमओयू सीएल कंपनी के साथ किया गया हैउक्त दोनों कंपनियां सर जमीन पर कार्य करना चाह रही हैं लेकिन जनता के विरोध के कारण आज तक काम शुरु नहीं हो पाया. हालांकि उत्तर प्रदेश विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा शिकारीपाड़ा में अपने कार्यालय एवं कर्मचारियों के लिए आवासीय मकान भाड़े पर लिए जाने की सूचना है.जब से यह सूचना सामने आई है तब से ग्रामीण और अधिक विरोध करने लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

साइकिल मिलने से उत्साहित छात्रा ने कहा पदाधिकारी बन आपके एहसान का चुकाऊंगी ऋण

दुमका/झारखंड देखो./प्रतिनिधि। मंगलवार को दुमका पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया है।हालांकि दुमका पुलिस में कुछ ऐसे पदाधिकारी है जो सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।ऐसे ही एक पदाधिकारी है हंसडीहा थाना प्रभारी सुगना मुंडा।जिन्होंने हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत गरडी गांव की गरीब आदिवासी छात्रा बिटिया मरांडी की पढ़ाई में बाधा बन रहे दूरी को कम करने के लिए एक नई साइकिल देकर छात्रा को प्रोत्साहित किया है। हंसडीहा थाना प्रभारी के इस सराहनीय व मानवीय कार्य की चहुंओर प्रशंसा की जा रही है।वहीं साइकिल मिलने से उत्साहित छात्रा ने मौके पर कहा कि पदाधिकारी बनकर आपके अहसान का बदला जरूर चुकाऊंगी।

बालिकाओं ने निकाली कलश यात्रा

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को अनुमण्डल के करों प्रखण्ड के धार्मिक गांव करोंग्राम के स्थानीय राजापोखर के समीप नवनिर्मित आकर्षक बजरंगबली मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भव्य 52बालिकाओं द्वारा कलश-यात्रा का सफल आयोजन हुआ । जिसमें सिरिया , सालतर , केन्दवरिया , डिण्डाकोली , तारापुर , कमलकर , रान्हा , भलगढ़ा , प्रतापपुर , चौरवरिया , पंचगड़िया , डूमरतर , चॉदचौरा और रानीडीह आदि गांवों से सैंकड़ो की संख्या आये महिला-पुरुष-बच्चों ने हिस्सा लेते हूये जय बजरंगबली का जयकारा लगाया ।
माथे पर कलश लिये बालिकाएँ गांव धर्मराज चौक , दे टोला , नापित टोला , कर्णेश्वर मंदिर , कटाल काली , सिंहवाहिनी , मोदी टोला , बनिया टोला , चण्डी मोड़ , सिंह टोला भ्रमण करते राजा पोखर पहुँचा । जहॉ पंडित दीपनारायण झा ने विधिवत पूजा कर कलश में जल भरा । इस अवसर पर जय श्रीराम , जय बजरंगबली , जय सीता मैया के नारों से भक्तिमय वातावरण हो गया । यजमान में उत्तम कुमार सिंह व पूनम सिंह ने भूमिका निभाई । पड़ितों ने होम यज्ञ , ध्यान करते हूये सामुहिक रुप हनुमान चालीसा का पाठ किया ।
मौके पर जिला परिषद सदस्य ललन सिंह , शरदेन्दु सिंह , मन्टु मंडल , दीपकसिंह , राजेश मंडल , मनहर रजक , बालिका पंडित , अनादिशंकर सिंह , बासुदेव पंडित , राजकुमार मंडल , दीपक मंडल , मुरारी चौधरी , आशीष आचार्य , परिमल बल, विशाल राया , मनोज़ राय , सरोज पुजारी , टीकू बनर्जी , अशोक बाऊरी , अकलु , राम भोला , गया पंडित ,राकेश सिंह के अलावे पूजा समिति के स्वयंसेवकों का दल उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जोहार यात्रा को लेकर जिला व प्रखंड प्रशासन रेस,प्रतिदिन की जा रही है समीक्षा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड सभागार में मंगलवार को वरीय पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी बंका राम ने प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की बिंदु बार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अवसर पर बंका राम ने बताया की संबंधित को सख्त निर्देश दिया गया है कि जिस पंचायत में लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं किया जाएगा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।विदित हो कि आगामी छः अप्रैल को जोहार यात्रा के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दुमका मसलिया व जामा भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है।इस परिपेक्ष्य में सभी विभाग के पदाधिकारियों कर्मियों एवं पर्यवेक्षक को पूर्ण मनोयोग के साथ निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया गया है। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव,अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल,जिला सांख्यिकी पदाधिकारी कुमार अभिनाश,सहायक अभियंता गुंजन राज,प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर रमेश उरांव,प्रभारी कल्याण पदाधिकारी मानव कुमार,बीपीओ आशा रोज,पवन कुमार सिंह के अलावा सभी कनीय अभियंता,सभी पंचायत के मुखिया,मनरेगा रोजगार सेवक,सभी पंचायत सचिव एवं प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की ठोकर से 2 छात्र गंभीर रूप से घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

चकाई । चकाई जमुई मुख्य मार्ग स्थित चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंशी पुल के समीप अज्ञात वाहन की ठोकर से 2 छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया घायल छात्र की पहचान चकाई थाना क्षेत्र अंतर्गत नेनुवाडीह गांव निवासी रूपलाल मुर्मू एवं घूरनवां गांव निवासी मंजा हांसदा के रूप में की गई है बताया जाता है कि दोनों युवक बीए पार्ट वन की परीक्षा देकर जमुई से वापस घर लौट रहा था इसी दौरान मुंशी पुल के समीप अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में जोरदार ठोकर मार दी जिससे दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके बाद घायल युवक काफी देर तक सड़क पर ही पड़ा रहा है इस दौरान सड़कों से गुजरते लोग मुकदर्शक बने रहे वहीं घटना की सूचना मिलते ही बामदह पंचायत के मुखिया सुनील सोरेन घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस से रेफरल अस्पताल पहुंचाया जहां दोनों घायल छात्रों का इलाज किया जा रहा है

स्वामी विवेकानंद स्कूल में किया गया नई कमीटी का गठन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो /जारंगडीह । स्थानीय स्वामी विवेकानंद स्कूल में नई प्रबंध समिति का गठन किया गया है। विदित होकि कुछ माह पूर्व विद्यालय समिति के अध्यक्ष एवं सचिव किंचित कारणों से अपने पद से इस्तीफा देचुके थे। और तब से विद्यालय यों ही येन केन प्रकारेण चलता आरहा था। अध्यक्ष ने अपने त्याग पत्र में विद्यालय को विधि संगत संचालन करने की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष को देरखी थी। तब से विद्यालय उन्ही के देख रेख मे चलता आरहा था। परंतु दिनांक 28 मार्च 2023, दिन मंगलवार को उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पांजलि नंदी के मार्गदर्शन में विद्यालय में विद्यालय प्रभारी श्रीमती मुक्ता कुमारी की उपस्थिति में एक आवश्यक बैठक बुलाकर नई विद्यालय प्रबंध समिति का विधिवत गठन किया गया। नई समिति में पदेन जिन व्यक्तियों का नाम आया है जो निम्न प्रकार हैं :-(1) अध्यक्ष पद के लिए बेरमो विधायक (कुमार जयमंगल सिंह), (2) उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पांजलि नंदी, (3)सचिव :- शयाम बिहारी सिंह दिनकर, (4) विद्यालय के प्रधानाध्यापक, (5) अभिभावक प्रतिनिधि शैलेन्द्र मुखी, (6) शिक्षक प्रतिनिधि साजेश कुमार जबकि कोषाध्यक्ष का सुरक्षित रखा गया है।

मौके पर उपरोक्त के अलावे निम्नलिखित लोग उपस्थित रहे भागीरथ शर्मा, शिक्षक युगल किशोर झा, अनिता सिंह, रीता कुमारी, वीरमणि पांडेय, श्रीमती राजेश्वरी। वहीं प्रधानाध्यापक किंचित कारणों से मौके पर उपस्थित नही रहे।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने विद्यालय प्रबंध समिति का गठन करने पर बल दिया। मौके पर सभा संचालन का कार्य बैठक की अध्यक्षता कर रही श्रीमती पुष्पांजलि नंदी ने की जबकि धन्यावाद ज्ञापन का कार्य संयुक्त रूप से विद्यालय प्रभारी श्रीमती मुक्ता कुमारी एवं भागीरथ शर्मा ने किया।

एनएसएस कर रहा है राष्ट्रीय ज्वलंत विषयों पर सर्वेक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका स्थित सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) लगातार अपने स्वयंसेवकों तथा कार्यक्रम पदाधिकारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से निर्धारित गतिविधियों को पूरा कर रहा है। एन एस एस में दो प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं - नियमित क्रियाकलाप और साप्ताहिक विशेष शिविर। नियमित क्रियाकलाप के अन्तर्गत युवा दिवस, पर्यावरण दिवस, सद्भावना दिवस, संविधान दिवस, महापुरुषों की जन्म जयंती, राष्ट्रीय उत्सव आदि महत्वपूर्ण दिवसों पर सामाजिक, सांस्कृतिक व राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों को केन्द्र में रखकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साप्ताहिक विशेष शिविर में सात दिनों तक इकाई द्वारा गोद लिए गए गांव में किसी एक थीम पर कार्यक्रम होता है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के अन्तर्गत सत्तर इकाई विभिन्न महाविद्यालयों, स्नातकोत्तर केन्द्रों, बीएड संस्थानों में सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है, जिसमें लगभग सात हजार स्वयंसेवक अनवरत निर्धारित कार्यक्रमों को सम्पूर्ण पारदर्शिता व शुचिता से पूरा कर रहे हैं। दुमका स्थित संताल परगना महाविद्यालय, संताल परगना महिला महाविद्यालय, आदित्य नारायण महाविद्यालय सहित मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में लगातार कार्य हो रहे हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा जिले में अवस्थित महाविद्यालयों में भी नियमित क्रियाकलाप के साथ विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के एन एस एस समन्वयक डॉ धनंजय कुमार मिश्र ने बताया कि वर्ष 2022-23 में अभी तक 51यूनिट ने साप्ताहिक विशेष शिविर आयोजित कर लिया है। इसमें भी दिसंबर माह से अभी तक रिकार्ड 36 यूनिट ने विशेष शिविर आयोजित कर पूरे बिहार झारखण्ड क्षेत्र में अव्वल स्थान हासिल किया है। एन एस एस भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों पर कार्य करता है। मार्च 2023 से आयोजित शिविर में मुख्य कार्य औपचारिक शिक्षा या नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का सर्वेक्षण करना है। विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ मिश्र ने बताया कि इसके लिए रानीश्वर, धमड़ी, मिहिजाम तथा साहिबगंज के चार कार्यक्रम पदाधिकारियों को ट्रेनिंग के लिए दिल्ली भेजा गया था। सम्प्रति इसी सर्वेक्षण पर बल दिया जा रहा है। अपने स्वयंसेवकों के कर्तव्यपरायणता से लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

Action, Opinion, Public Confusion, Question and Expectation

Professor M.C.Behera is a noted social scientist of the country and also better known for his honest and impartial discussion of issues of national importance. This is apparently evident from his views noted and discussed in the paper. Professor Behera not only excelled as a senior most academician but also as a marvellous commentator on current political issues hotly debated across India. -Editor

Jharkhand Dekho / desk : There is nothing political in this write up while citing the names and statements, but a public anxiety towards understanding the inanity of political logic and expectation for betterment.

Rahul Gandhi was disqualified on 24th March, 2003 from the Parliament following two year conviction by Surat court on a defamation case. There is no evidence of legality lapse. Unfortunately, the Congress labels fixation charge as the first judge of the case was transferred. Is transfer undemocratic? If a judge can be fixed, is it not a breach in our system? If the government can do anything then why to invoke democracy and the Constitution when any government can be despotic? Rahul Gandhi claims: He is not Savarkar, but Gandhi, he will not apologise.

Savarkar had his opinion and ideology. Democracy demands respect or opposition to an ideology, not to the person. Is not it arrogance and undemocratic practice to oppose the person? The next question is about the title Gandhi. Which Gandhi? In no way he is biologically or socio-culturally related to Mahatma Gandhi. His grandfather was Feroz Jehangir Ghandy who changed the spelling of Ghandy to Gandhi. By changing the spelling did he inherit biological and socio-cultural recognition of Mahatma Gandhi? Then why to take pride in a surname which has no originality? People attach emotion and respect with the title Gandhi of Mahatma Gandhi. Is it not betrayal of people's emotion and faith while glorifying a title which is similar but with a different root? Is it not an insult to the actual title? Is not it an insult to the ancestor whose title carries his legacy but is used in the context of a different legacy?

On 26th March,2003 Priyanka Gandhi made some statements. She invoked Ram and Pandavas as dynasts to counter BJP allegation of dynastism labelled against their family. The statement has more than one misleading implications. Which family she means, parental or in-laws'? Is it not confusion about India's tradition? Or is it a well thought out design to bring Vadra family into the fold of 'Gandhi' in the way Ghandy is used for real Gandhi?

Ram belonged to the monarchical period of history. Is monarchy comparable with democracy? Nevertheless, being a dynast Ram was democrat in his action. It is evident from his respect to public opinion and abandonment of his wife. He did not subdue public opinion which he could have done! How much Pandavas carried the legacy of dynasty can be understood from the history of Bharat dynasty. Pandavas and Kauravas did not inherit dynasty rule due to biological connection with Bharat! Moreover, they were popular in the public. The basis of their rule was 'dharma', not the monarchical power bred despotism.

Further, she claimed:

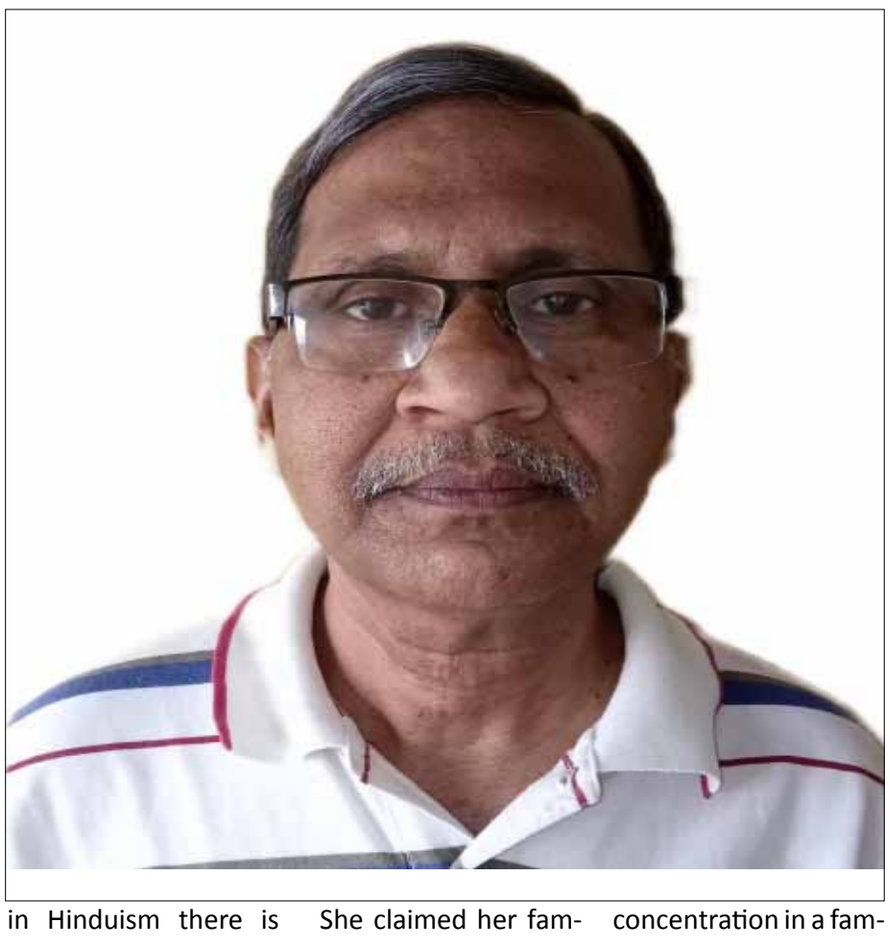

in Hinduism there is the tradition that the public respond to arrogant leader. Absolutely correct. She might have got the example from her parental family when Indira Gandhi lost election after emergency. It was the arrogance of Rahul Gandhi that tore the bill and insulted the Prime Minister in 2013. He could not lead the Congress to victory after that. Unfortunately, she shifted the family legacy to a different point! Moreover, her statement is self-contradictory. If 'people respond', and it is inevitable in Hinduism, then what is the need of echoing it? Is it to ensure herself that she has faith in people? Or does it mean that she has no actual faith in Hinduism and in people's wisdom so that she wants to assure by making the statement? When one takes his wallet several times out of the pocket, rest assured that the wallet is empty.

She claimed her family's contributions in nurturing democracy in India. History speaks otherwise. Nehru became Prime Minister despite majority support to Patel. This apart there is logical aspect of it. Is concentration of power in the family a mark of nurturing democracy? Concentration of power in a family generation after generation is a characteristic of dynastism, not democracy. The tendency to continue with power through generations in a family amounts to denial of power to others. It lacks a sense of respect to equal sharing of power that stands at the root of democracy.

Theoretically, all have equal rights to political power. Then why others are at bay, and why power remains in a few families? Is it not a sharp practice in the name of democracy? Is it not arrogance to claim that the intergenerational power concentration in a family is the result of people's love for them? If public loves a contemporary generation then why to invoke contributions of previous generations? Does not the contemporary generation have anything worth in them so that they take shelter in the works of past generations? When the family in question has a legacy to cash upon, others do not have so. Invocation of the past legacy is undemocratic as it blurs the present merit. The contest, undoubtedly, becomes unfair between one with blessings of a legacy and the other without it.

When a party is in opposition it cries misuse of ED, CBI and other agencies for vendetta. This is the normal scenario in Indian politics. Can we take it for granted that agencies are misused by the government? Then the problem is not the government, but the weakness in the system. Ironically, every opposition blames the government, but no one tries to correct the loopholes in the system that makes the government powerful to misuse agencies. Action against opposition by a government, whatever may be the intention, indicates misuse of power and involvement in corruption. That is why a lay man wonders, how come a poor man becomes millionaire once in power? Not only the man, his family members and relatives also become millionaire. How?

Rahul Gandhi stated: My Religion is Truth, a declaration of Gandhiji. Obviously, he proves to be a Gandhian. But Ganhiji also told: 'I saw that a man of truth must also be a man of care. This was the first and last instance of my carelessness in school'. Is Rahul Gandhi careful in his use of tongue? He has so many apologies in the court to his credit for wrong tongues. Is a habitual careless man an ardent follower of Gandhiji? Is not it hypocrisy?

Another statement is made following the disqualification. It reads: They (the government) try to crush those who raise questions. The disqualification is linked to Rahul Gandhi's question on Adani and PM Modi relations. The disqualification, as has been stated earlier, followed conviction according to the law of the country. The case for his conviction was old and came after several court proceedings. Could it be possible to convict a person instantly by fixing a date of hearing? Then why not bring the lapse in the working of the court to public domain to prove that Rahul Gandhi was convicted due to his question? Why creating gossips and confusing the public who believe in their leaders, but may not know working of the court. Is it not misdirecting public sentiment? Is not it like creating a crisis and using it to the advantage?

We find opposition uniting against the issue of conviction and disqualification. Many of these parties did not accept leadership of Rahul Gandhi and no third front could be formed. Unfortunately, they do not unite to correct the loopholes in the system. Does it mean that in the name of supporting an allegation or convicted person these parties would create pressure group to escape action for their involvement in corruption? It cannot be ruled out, for the parties who have come together have their members under surveillance. Except fighting for a clear image for themselves, are not there any other means to prove that the government is wrong? Does this fight mean to sustain the practice of corruption? What is the picture of development, national goal and pride for these political parties that they would present before the public?

There is another statement by Priyanka Gandhi relating to the public. It reads: Are not they able to see what is happening? When people respond to arrogance and one has conviction, then why this doubt? Why should people see the way one expects? Is not it arrogance and undemocratic when one does not respect the way people see? Does one mean that people are not sensitive to happenings?

Rahul Gandhi's statement is contested. Does it mean that he is contested? He claims that 'he will fight even outside the Parliament'. He has every right to fight as an individual. Why Congress is made the platform? If Congress fights why is this individual claim? Is it not arrogance? It is a known fact that individual is not important, but the idea is. When individual is epitomised above the ideology, then democracy dies under the weight of arrogance. It happened when it was told that India is Indira and Indira is India. Is this the legacy Rahul Gandhi inherits, for it reflects clearly in his statement 'I will fight'?

Questions are unending. But an end to gossips, manipulation of public sentiment, contradictory and irresponsible statements, and creation of confusion is expected from oppositions for a better future of the country. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

सदर अस्पताल, यूपीएचसी व सीएचसी में होगा फाइलेरिया का मुफ्त इलाज

सिविल सर्जन डॉ0 युगल किशोर चौधरी ने फीता काट कर किया फाइलेरिया क्लिनिक का किया उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार सदर अस्पताल देवघर के ओपीडी संख्या 03 में सिविल सर्जन डॉ० युगल किशोर चौधरी सहित अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सीके शाही, डीटीओ डॉ रंजन सिन्हा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ प्रभात रंजन, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार सिंह अन्य चिकित्सकों ने फाइलेरिया क्लीनिक केंद्र का उद्घाटन संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।

इसके अलावे मौके पर सिविल सर्जन डॉ० युगल किशोर चौधरी ने कहा कि अब हांथीपांव एवं हाइड्रोसील से पीड़ित रोगियों को अब ज्यादा परेशान नहीं होना होगा। अब उनका जांच एवं ईलाज आदि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को सदर अस्पताल, देवघर के अतिरिक्त सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्र तथा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क किया जाएगा। जहां पर उनके जांच व ईलाज के साथ-साथ फाइलेरिया रोगियों के प्रभावित अंगों की उपचार, देखभाल, व्यायाम और रोकथाम के लिए उचित परामर्श भी दिया जाएगा। ऐसे सभी रोगियों को फाइलेरिया विभाग के तरफ से एक आईडी नंबर भी दिया जाएगा, जो उनके फाइलेरिया से पीड़ित होने के चरण को चिन्हित करेगा। जिसके आधार पर इन्हें विकलांगता प्रमाण पत्र भी प्रत्येक माह आयोजित होने वाले विकलांगता शिविर के माध्यम से दिया जाएगा। साथ ही लिंफोडिमा के चरण तीन या इससे अधिक प्रभावित हुए अंगों वाले रोगियों को चिन्हित कर एम.एम.डी.पी. (मोरबिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रीवेंशन - रुग्णता प्रबंधन एवं विकलांगता रोकथाम) के तहत एक कीट भी निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। जिसके माध्यम से इनके प्रभावित अंगों की ईलाज के साथ उचित साफ़-सफाई व नियमित देखभाल भी संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हाइड्रोसील से पीड़ित रोगियों को चिन्हित कर उनका मुफ्त ऑपरेशन भी प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को किया जाएगा। यह सुविधा जिले के सभी सीएचसी, यूपीएचसी एवं सदर अस्पताल, देवघर में निःशुल्क उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक में ऐसे सभी फाइलेरिया पीड़ित मरीजों की जांच, ईलाज, परामर्श एवं लाइन लिस्टिंग करने के साथ उनके लिए दवाइयां भी लिखेंगे। आगे एसीएमओ डॉ सीके शाही ने कहा कि फाइलेरिया संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से फैलती है। जो गंदे एवं ठहरे हुए पानी में पनपती हैं। जिससे हम सभी प्रायः बचपन में ही संक्रमित हो जातें हैं। यदि समय रहते इसका पहचान और इलाज प्रारंभ कर दिया जाए तो यह ठीक हो सकता है अन्यथा इसके संक्रमण से लिंफोडिमा के रूप में जीवन भर के लिए विकलांगता हो जाती है और अंत

में हमारे शरीर के किसी भाग में एलिफेंटियासिस (हाथीपांव) तथा हाइड्रोसील हो जाते हैं। आगे जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि फाइलेरिया के लक्षण सालों तक पता नहीं चल पाता है और जब-तक पता चलता है तब-तक काफी देर हो चुकी होती है। अतएव जैसे ही शरीर के पैर, हाथ या अन्य किसी भी भाग में दर्द, जलन, लालिमा, खुजलाहट, सुजन, गिल्टी या बुखार जैसे लगे तो फौरन चिकित्सक से संपर्क कर इलाज कराना चाहिए।

इसके अलावे जिला भीबीडी सलाहकार डॉ गणेश कुमार ने बताया कि झारखंड में फाइलेरिया के रोगी सबसे ज्यादा देवघर में (लगभग 12 हजार) सूचीबद्ध हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में कुरुपता, अवसाद व शारीरिक क्षमताओं में कमी के साथ-साथ समाजिक एवं आर्थिक प्रभाव भी डालता है। जिसका दंश एक अभिशाप के रूप में पूरे परिवार को झेलना पड़ता है। इस बीमारी से बचाव और सही समय पर पहचान कर पूर्ण ईलाज करवाना ही एक मात्र सरल उपाय है। जिसमें प्रमुखता से मच्छरों के काटने से बचने के विभिन्न प्रयास करने चाहिए। जैसे - सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग, जल जमाव नहीं होने देना, प्रत्येक सप्ताह सूखा दिवस मनाना, पूरे बदन ढ़कने वाले कपड़े पहनना, शाम के समय घर के खिड़की-दरवाजे को बंद कर लेना, धुँआ करना, मच्छर रोधी क्रीम, अगरबत्ती या लिक्विड का प्रयोग करना आदि उपाय अपनाकर। खासकर नवजात शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को बचाने की सख्त आवशयकता है। क्योंकि मच्छरों के लिए ये आसान लक्ष्य होती हैं। जिनमें फाइलेरिया के स्पष्ट लक्षण प्रकट हो चुके हैं, उन्हें नियमित अंतराल पर फाइलेरिया क्लिनिक आकर चिकित्सक से दिखाकर परामर्श लेना चाहिए और चिकित्सक के निर्देशानुसार अपना जांच के साथ उपचार, साफ़-सफाई, देखभाल, व्यायाम, दवा सेवन आदि करते रहना चाहिए। ताकि इस बीमारी से अपने आने वाले पीढ़ी को संक्रमित होने से बचाया जा सके और एक स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ भविष्य का निर्माण किया जा सके। इसके साथ ही इस सेंटर का उद्घाटन के बाद सिविल सर्जन डॉ० युगल किशोर चौधरी के साथ उपस्थित अन्य वरीय चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से फाइलेरिया के 20 लिंफोडिमा से प्रभावित रोगियों के बीच एम.एम.डी.पी. किट भी वितरित किए। जिसका नियमित रूप से इस्तेमाल करने हेतु तरीके को डेमोंस्ट्रेशन करके बताया गया।

इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सीके शाही,डीटीओ डॉ रंजन सिन्हा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ प्रभात रंजन, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार सिंह,जिला भीबीडी कंसलटेंट डॉ गणेश कुमार, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ मनीष शेखर, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, डीपीएम नीरज भगत,डीएएम ब्रजेश झा,डीपीसी प्रवीण सिंह,डीडीएम मुकेश कुमार सिंह,राजीव कुमार, डीयूएचएम सुनिल मणी त्रिपाठी,केयर इंडिया के डीपीसी संजय मंडल सहित संबंधित विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

निडरता :- सकारात्मक सोंचे, नकारात्मक नहीं

हम सभी अपने जीवन में कई तरह की मुसीबतों का सामना करते हैं, हम महसूस करते हैं कि बच्चा होना ही बेहतर था मगर क्या आप जानते हैं, बच्चे भी संघर्ष करते हैं, वे संघर्ष करते हैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए, जब वे रोना सीखते हैं उसके लिए संघर्ष करते हैं, नयी नयी चीजों को सीखने के लिए संघर्ष करते हैं, आदि। इसी तरह से, हम सभी किसी ना किसी तरह की समस्याओं से जूझते हैं। हममे से कुछ अपने काम से जूझते हैं जबकि कई अपने संबंधों के साथ। संघर्ष करने का यह मतलब नहीं है कि हम उससे उबर नहीं सकते या अपनी मुश्किलों के प्रति साहसिक नहीं हो सकते। हमारा संघर्ष ही हमें मजबूत बनाता है और हमारे जीवन में आने वाली तमाम समस्याओं से जूझने में सार्थक बनाता है। हम सभी परेशानियों का सामना करते हैं लेकिन यहाँ पर केवल कुछ ही होते हैं जो इसे दिखाते हैं या इस बारे में बात करते हैं। आजकल हर किसी के साथ अपनी भावनाओं को साझा नहीं करना ही ज्यादा अच्छा है, कुछ अच्छे लोगों का साथ रखें जो आपकी परवाह करते हों, और आपको समझते हों। आजकल लोग दूसरों की भावनाओं और परेशानियों का मजाक उड़ाते हैं और ये हमें हमारी समस्या से भी ज्यादा चिंतित करने वाली बात है। इसलिए यह सीख लेना ज्यादा बेहतर होगा कि आप अपनी भावनाओं को कैसे नियंत्रित करते हैं और किस साहसिक तरीके से मुश्किल समय में व्यवहार करते हैं। हर परिस्थिति में सकारात्मक रहना चाहिए यह सिद्ध हो चुका है कि, जब हम सकारात्मक सोचना शुरू करते हैं, हमारे चारो तरफ स्वतः ही सकारात्मक शक्तियां आने लगती हैं। इसलिए कभी कि सी को किसी भी तरह की परिस्थिति के लिए नहीं डरना नहीं चाहिए। हमेशा खुद पर भरोसा करें क्योंकि ये सिर्फ आप ही होते हैं जो अपनी समस्याओं से साहसिक तरह से जूझ सकते हैं। कभी कभी हमारा मन हमारी समस्याओं को और भी ज्यादा बढ़ा देता है और हम असुरक्षित और भयभीत महसूस करने लगते हैं। हमेशा अपनी समस्या का विश्लेषण करें और सभी संभावनाओं के बारे में सोचें। किसी भी कार्य में असफल होने पर आत्महत्या जैसे विचार को मन में नहीं लाना चाहिए हमेशा आत्मविश्वासी बनना चाहिए। जब आप कमजोर महसूस करते हैं, तो आप खुद को अकेला, बिखरा हुआ और भयभीत महसूस करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपने आसपास के बदलावों के बारे में सोचा है। मान लीजिए कि आप अपनी परीक्षा में असफल हो गए और आप इसके बारे में दुखी हैं, तो क्या आपने सांस लेना बंद कर दिया है? या आपके आसपास का वातावरण आपके प्रति क्रूर हो गया है। असल में, यह आपके भीतर के विचार हैं जो फर्क पैदा करते हैं। यदि आप खुद को कमजोर महसूस करना शुरू कर देंते हैं और सभी नकारात्मक चीजों को नोटिस करेंगे, तो यह स्वचालित रूप से आपको प्रभावित करेगा। इसलिए किसी तरह की शारीरिक क्रियाओं को दिखाने के बजाय काम करें और अगली बार सफलता प्राप्त करें। हम सभी के साथ कोई न कोई घटना होती ही है मगर इससे घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि परिस्थितियां हमेशा एक सामान नहीं रहती है। वे बदलती हैं और हम अच्छे दिनों का भी आनंद लेते हैं जब हमारे बुरे दिन बीत जाते हैं। इस संसार को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए क्योंकि चीजें हमेशा बदलती रहती है। इसलिए, उठो, मुस्कुराओ, और समस्याओं को अपने जीवन का हिस्सा मान कर उन्हें अपनाओ। आपने जन्म लिया है और एक दिन मृत्यु भी होगी, न तो आप कुछ लेकर पैदा हुए थे और न ही कुछ लेकर जायेंगे। सभी भावनाएं, संबंध, संपत्ति, धन सांसारिक चीजें हैं, इसलिए किसी भी चीज की चिंता करना बंद करें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। जब हम दुखी होते हैं, तो हम लोगों को गलत तरीके से संबोधित कर सकते हैं, इसलिए कभी किसी से गलत न बोलें और अपने कामों पर ध्यान केंद्रित करें। जीवन सुंदर है और आप फिर से पैदा नहीं होंगे, इसलिए दूसरों को कुछ दान करने में मदद करें और सभी के लिए अच्छे शब्द बोलें। नकारात्मक प्रभाव कम करे सकारात्मकता की ओर बढ़े।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

भारत ने दिखाया भ्रष्टाचार कम करने का रास्ता

दुनिया भर की सरकारों के लिए भ्रष्टाचार व्यापक मुद्दा रहा है। यह ऐसा मसला है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था से अरबों डॉलर निकल जाते हैं। इससे आर्थिक विकास की दर में कमी आती है। लोगों का प्रशासन पर भरोसा घटता है, गरीबी भी बढ़ती है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर कई पहल हुई हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने इसे खत्म करने के वादे भी किए। फिर भी यह समस्या बढ़ती ही जा रही है, लेकिन इधर एक उम्मीद जगी है। एक नई रिसर्च से इसे कम करने का सस्ता उपाय सामने आया है। अगर इसे अपनाया जाए तो कोई देश करोड़ों या अरबों डॉलर की बचत कर सकता है।

वादे नहीं हो रहे पूरे

इसमें कोई शक नहीं कि भ्रष्टाचार मुश्किल चुनौती है। एक तरफतो जो अधिकारी रिश्वत लेता है, उसकी आमदनी बढ़ती है। दूसरी तरफ, जो रिश्वत देता है, उसका काम तेजी से होता है या उसे बेहतर सेवा मिलती है। दुनिया भर के नेताओं ने 2016 से 2030 के बीच सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स(SDGs) के तहत भ्रष्टाचार में अच्छी-खासी कमी लाने का वादा किया है। इन लक्ष्यों के तहत जो पहल की गई हैं, उसे कई देशों ने मंजूर भी किया है। अफसोस की बात यह है कि भ्रष्टाचार कम करने के वादे ये नेता पूरे नहीं कर रहे हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनैशनल के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर पिछले 10 वर्षों में इस मामले में जरा भी प्रगति नहीं हुई है। यह इंडेक्स 2012 में बना था। तब दुनिया में जितना भ्रष्टाचार था, उतना ही 2021 में भी रहा। अगर यही हाल रहा तो 2030 तक या आगे आने वाले किसी भी वक्त में भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा।

लोग इससे अनजान नहीं हैं कि भ्रष्टाचार कई रूपों में सामने आता है। इनमें से एक तब होता है, जब सरकार कोई चीज खरीदती है। दुनिया भर में सरकारें 11 लाख करोड़ डॉलर की खरीदारी करती हैं, जो वैश्विक GDP का 12 फीसदी बैठता है। हैरानी की बात यह है कि जहां दुनिया की 50 फीसदी कम समृद्ध आबादी रहती है, उन देशों में सरकारों के कुल खर्च का 50 फीसदी हिस्सा इसी मद में जाता है। सरकार की ओर से खरीद प्रक्रिया को बेहतर बनाने और भ्रष्टाचार कम करने के लिए इंटरनेट की मदद लेनी चाहिए। अगर इस पूरी व्यवस्था को ऑनलाइन कर दिया जाए तो पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार में कमी आएगी। जब खरीदारी की प्रक्रिया ऑनलाइन होती है तो इसके बारे में अधिक कंपनियों को पता चलता है। लिहाजा सरकार को अधिक बोलियां मिलती हैं और अधिक पैसा बर्बाद नहीं होता।

दुनिया भर की सरकारों के लिए भ्रष्टाचार व्यापक मुद्दा रहा है। यह ऐसा मसला है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था से अरबों डॉलर निकल जाते हैं। इससे आर्थिक विकास की दर में कमी आती है। लोगों का प्रशासन पर भरोसा घटता है, गरीबी भी बढ़ती है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए वैश्विक स्तर पर कई पहल हुई हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने इसे खत्म करने के वादे भी किए। फिर भी यह समस्या बढ़ती ही जा रही है, लेकिन इधर एक उम्मीद जगी है। एक नई रिसर्च से इसे कम करने का सस्ता उपाय सामने आया है। अगर इसे अपनाया जाए तो कोई देश करोड़ों या अरबों डॉलर की बचत कर सकता है।

इसे भारत के तजुर्बे से समझा जा सकता है। यहां 2016 में सरकार ने ई-मार्केट प्लेस(GeM) की शुरुआत की। इस ऑनलाइन प्लैटफॉर्म को इसलिए लाया गया ताकि इसके जरिये सरकार और पब्लिक सेक्टर की कंपनियां जरूरी वस्तुओं और सेवाओं की खरीदारी कर सकें। GeM का इरादा पारदर्शिता बढ़ाना और सरकारी खरीद प्रक्रिया को समावेशी बनाना है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि 1 फरवरी 2023 तक वित्त वर्ष 2023 में GeM पर हुआ लेन-देन(ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू) 1.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया था, जो कमाल की बात है। वहीं, अगर लॉन्च के बाद से देखें तो इस प्लैटफॉर्म पर हुआ लेन-देन 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इस मंच के जरिये 13 करोड़ से अधिक सौदे हुए हैं, जिनमें 66 हजार सरकारी संस्थानों ने खरीदारी की है और 58 लाख विक्रेताओं और सेवाएं देने वाली कंपनियों की भागीदारी रही है। GeM पर 11,000 तरह की चीजों की कैटिगरी है, जिनमें 29 लाख वस्तुएं शामिल हैं। सेवाओं के मामले में यह संख्या 270 है, जिनके जरिये 2.5 लाख सेवाएं दी जाती हैं।

भारत की इस शानदार कामयाबी के बावजूद 40 फीसदी निम्न और निम्न-मध्यमवर्गीय देशों में सरकारी खरीदारी की प्रक्रिया को ऑनलाइन नहीं किया गया है। शोधकर्ताओं ने अलग-अलग दर्जे के देशों में 11 सरकारी ऑनलाइन खरीदारी पहल पर आने वाले खर्च और उसके फायदों का पता लगाया। इसमें निम्न आय वाले बांग्लादेश और रवांडा जैसे देशों के साथ मध्य आय वाले यूक्रेन और ट्यूनीशिया जैसे देश शामिल थे तो उच्च आय वाले इटली और दक्षिण कोरिया जैसे मुल्क भी।

शोध से यह भी पता चलता है कि ऑनलाइन खरीदारी व्यवस्था की योजना बनाने में साल भर का वक्त लगता है। करीब 1.5 साल का वक्त इसके डिजाइन और निर्माण में और 2.5 साल का समय पायलट प्रॉजेक्ट शुरू करने में लगता है। वहीं, पहले 12 वर्षों में इस पर लागत 1.67 करोड़ डॉलर ही आती है। किसी देश का आकार क्या है, लागत पर उसका असर नहीं होता। यानी इस पर आने वाला खर्च कम है और फायदे बेशुमार।

इस व्यवस्था में पूरी प्रक्रिया की बेहतर निगरानी होती है। भ्रष्टाचार का पता आसानी से लग जाता है और संबंधित अधिकारियों के पास यह मामला आगे की कार्रवाई के लिए भी चला जाता है। एक बड़ी बात यह भी है कि ऑनलाइन प्रक्रिया से सरकार की ओर से तेजी से खरीदारी होती है। दक्षिण कोरिया में इस व्यवस्था से जहां बोली पूरी करने में लगने वाला वक्त 30 घंटे से घटकर 2 घंटे रह गया, वहीं अर्जेंटीना में इसमें 11 दिनों की कमी आई। इसका एक फायदा सरकार की ओर से खरीदारी के खर्च में आई कमी भी है। हमारे शोध से पता चला कि इससे सरकार को करीब 6.75 फीसदी की बचत होती है। जब अरबों डॉलर इस मद में खर्च हो रहे हों तो आसानी से समझा जा सकता है कि यह बचत कितनी बड़ी होगी।

भले ही दुनिया से भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म करना मुमकिन ना हो, लेकिन सरकारों की खरीद प्रक्रिया को ऑनलाइन करके इसमें काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। बड़ी बात यह कि इस पर लागत भी अधिक नहीं आएगी।

कांग्रेस की उम्मीद

मानहानि मामले में दो साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होना कांग्रेस और विपक्षी दलों के लिए कम से कम शुरुआती तौर पर पॉजिटिव नतीजा लाता दिख रहा है। इस फैसले के बाद रविवार को कांग्रेस ने देश भर में सत्याग्रह और धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम चलाया। तब तक अन्य विपक्षी दलों के नेता भी इस मसले पर राहुल गांधी के पक्ष में बयान दे चुके थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चैंबर में सोमवार को बुलाई गई बैठक में तृणमूल कांग्रेस के भी नेता शामिल हुए, जो कुछ समय पहले तक विपक्षी एकजुटता के नाम पर समाजवादी पार्टी और बीजेडी जैसे गैर-कांग्रेस दलों को साथ लाने की कोशिश में जुटी थी। संसद में गांधी प्रतिमा से लेकर विजय चौक तक पैदल मार्च में भी विपक्षी दलों के नेता साथ नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम में ही संभवत: उस सवाल का भी जवाब छुपा है जो कानून के जानकार सदस्यता रद्द होने के बाद से ही पूछ रहे हैं कि आखिर कांग्रेस सूरत अदालत के फैसले को तत्काल ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दे रही। असल में राहुल गांधी की सांसदी रद्द होने को चाहे जितना भी बड़ा राजनीतिक मसला बनाने की कोशिश की जाए, जानकारों के मुताबिक इसमें कानून के उल्लंघन का कोई आरोप ठहरना मुश्किल है।

ऐसे में स्वाभाविक ही कांग्रेस कानूनी लड़ाई को प्राथमिकता देती नहीं दिखना चाहती। वह देर-सबेर इसे अदालत में चुनौती दे भी देगी, पर उससे पहले इसका पूरा राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। लेकिन क्या सचमुच उसे इस मामले का राजनीतिक लाभ मिलने वाला है? इसका साफ-साफ जवाब तत्काल नहीं दिया जा सकता। सच है कि आप, बीआरएस, तृणमूल और समाजवादी जैसे दल जो कांग्रेस से दूरी बरत रहे थे, आज उसके साथ दिख रहे हैं। लेकिन उनका समर्थन राहुल गांधी की सांसदी रद्द होने के खास मुद्दे पर है। जब साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात आएगी और उसमें सीटों के बंटवारे का सवाल उठेगा तब तक यह विपक्षी एकजुटता कितनी बनी रहेगी, कहना मुश्किल है। उससे पहले इसे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों की अग्निपरीक्षा से भी गुजरना है। सबसे बड़ी बात यह कि इस पूरी कवायद के बाद अगर कांग्रेस बनाम बीजेपी या राहुल बनाम मोदी का ही सीन बनना है तो इसके लिए विपक्ष कितना तैयार है। यह बात सत्तारूढ़ दल के नेता ही नहीं, तृणमूल जैसे विपक्षी दल भी उठाते रहे हैं कि राहुल बनाम मोदी की लड़ाई बीजेपी के हित में है।

मगर समय के साथ चीजें बदलती हैं। राहुल भी आज वह राहुल नहीं जो भारत जोड़ो यात्रा से पहले थे। ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद उनकी क्या और कैसी छवि उभरती है। उसके बाद ही अगले आम चुनावों में विपक्षी गठबंधन की तस्वीर साफ हो सकेगी।

विदेश में पढ़ने का प्लान है? ठगों से बचकर रहिएगा

माना जा रहा था कि कोविड के बाद जिस तेजी से डिजिटल एजुकेशन का दायरा बढ़ा है, इंडियन स्टूडेंट्स में विदेश जाने की चाहत कुछ कम होगी। लेकिन पिछले दिनों लोकसभा में सरकार ने विदेश जाने वाले स्टूडेंट्स की जो संख्या बताई, वह हैरान करने वाली है। सरकार ने बताया कि कोविड के बाद 2022 में साढ़े सात लाख से भी अधिक स्टूडेंट्स उच्च शिक्षा के लिए दूसरे देशों में गए।

बढ़ते आंकड़े

वैसे यह संख्या अचानक नहीं बढ़ी। आंकड़े बताते हैं कि विदेश में पढ़ने की इच्छा को कोविड ने थोड़ा ब्रेक दिया, मगर यह उससे पहले से लगातार बढ़ रही थी:

-2017 में विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या 4.54 लाख थी, जो 2018 में बढ़कर 5.18 लाख और 2019 में 5.86 लाख हो गई।

-2020 में यह संख्या काफी नीचे आई। उस साल सिर्फ 2.59 लाख छात्रों ने ही विदेशी यूनिवर्सिटियों का रुख किया।

-अभी 99 विदेशी यूनिवर्सिटियों में 12 लाख से भी अधिक भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

-2017 से 2022 तक 30 लाख से भी अधिक भारतीय छात्र विदेश पढ़ाई करने गए हैं।

-इनमें से तकरीबन 95 फीसदी कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड, चीन, जर्मनी, यूक्रेन, रूस, फिलीपींस, फ्रांस, कजाकिस्तान और जॉर्जिया गए हैं।

-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत सरकार ने कई विदेशी मेडिकल कॉलेजों से समझौता किया है, इसके तहत भी लगभग तीन हजार छात्रों ने दाखिला लिया है।

नई खेप

जाहिर है कि 2020 विदेश जाकर पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए काफी मुसीबत भरा रहा। याद करें तो इस दौरान सोशल मीडिया पर भारतीय छात्रों की ओर से मदद मांगी जा रही थी। कोई इजिप्ट के हवाई अड्डे से मदद गुहार लगा रहा होता था तो कोई इंग्लैंड में 72 घंटे से फंसा था। इसके चलते अभिभावकों ने भी इंतजार करना मुनासिब समझा। अब दुनिया खुल चुकी है तो विदेश में पढ़ने के लिए वे लोग भी जा रहे हैं, जिनकी कोरोना के दौरान नौकरियां चली गईं और अब वे अपने स्किल को नई धार देना चाहते हैं। विदेशी सरकारें भी इस बारे में अच्छे से जानती हैं। फ्रांस ने तो बाकायदा लक्ष्य रखा है कि 2025 तक करीब 20,000 भारतीय छात्र उसके यहां पढ़ने आएं।

महंगी मुसीबत

पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों पर ठगों की भी नजर है। पिछले दिनों ऐसे कई मामले सामने आए।

-हाल ही में कनाडा सरकार ने करीब 700 भारतीय छात्रों को फर्जी वीजा के चलते वापस भारत भेजने के लिए नोटिस जारी किया है। फर्जीवाड़े का आरोप पंजाब की एक एजेंसी पर है।

-पिछले हफ्ते हरियाणा के सिरसा में ऐसे ही स्टूडेंट वीजा के नाम पर 15 लाख रुपये तो लुधियाना में फीस जमा कराने के नाम पर 28 लाख रुपये की ठगी के मामले सामने आए। ऐसे ही पिछले साल चंडीगढ़ में एक एजेंसी ने स्टडी वीजा के नाम पर 15 लोगों से ढाई करोड़ रुपये से अधिक ठग लिए थे। यह फर्जीवाड़ा इंटरनैशनल इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट पास कराने और वीजा दिलाने के नाम पर होता है।

विदेश में पढ़ाई और नौकरी के नाम पर लूट का यह जाल धीरे-धीरे पूरे देश में पैर पसार चुका है, जिसके लिंक विदेश तक फैले हुए हैं। नोएडा में चल रहे कॉल सेंटर और पंजाब में गली-गली खुली एजेंसियां ऐसे रैकेट्स चला रही हैं। विदेश में पढ़ाई और नौकरी के वीजा की लालसा किस हद तक पहुंच गई है कि जालंधर के तल्हन गांव में बाकायदा एक वीजा गुरुद्वारा बन चुका है, जहां वीजा लगने की मन्नत मांगी जाती है।

नए रास्ते

विदेश में पढ़ाई के लिए जो छात्र बाहर जाते हैं, वे अक्सर विदेशी नागरिकता ले लेते हैं। सरकार ने संसद में एक और आंकड़ा दिया था जो बताता है कि 2011 के बाद से 16 लाख से भी अधिक लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है और 2018 के मुकाबले 2022 में इनकी संख्या करीब 40 फीसदी अधिक रही। इस लिहाज से भारत में ही इंटरनैशनल यूनिवर्सिटियां बनाने की योजना एक बेहतर विकल्प हो सकती है। इससे छात्रों को विदेशी डिग्री मिलेगी, भारत का बौद्धिक पलायन भी रुकेगा और ठगी से भी निजात मिलेगी।

मार्ग-दर्शन

ढीले वस्त्र दते हैं विश्राम की अनभुति

क्या कपड़ों का संबंध केवल फैशन से है या आपके व्यक्तित्व से भी है? वेश-भूषा को लेकर खूब रिसर्च होती है। ऋषि-मुनियों ने वस्त्रों पर अपने तरीके से काम किया है, क्योंकि कपड़े व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। वस्त्रों से ही कई लोगों की छवि बन जाती है। लोग अपने कार्यस्थल पर सुविधा की दृष्टि से कपड़े पहनते हैं। आजकल जींस तो इस तरह से स्वीकार कर ली गई है, जैसे चुस्त रहने के लिए उसमें अमृतकण बसे हों। सब मानकर चलते हैं कि इसे पहनने के बाद हमारी सक्रियता बढ़ जाती है। हम खुद को फिट समझते हैं। चलिए, कपड़ों को भारतीय ऋषिमुनियो की दृष्टि से देखते हैं। ढीले कपड़े पहनने से मनुष्य भीतर विश्राम की अनुभूति करता है। इसीलिए पूजा-पाठ, ध्यान-योग के समय ढीले कपड़े पहने जाते हैं। भारत में तो स्त्री-पुरुषों का परिधान ढीला ही रहा है। उद्देश्य यही था कि पूरे समय हम भीतर से शांत रहें। अंतरवस्त्र चुस्त इसलिए रखे जाते हैं कि इंद्रियों का नियंत्रण होता है, लेकिन पूरा शरीर वस्त्रों से कसा हुआ न हो, अन्यथा कसी हुई इंद्रियां कसे हुए शरीर के साथ तनाव पैदा करेंगी। आप जितने चुस्त कपड़े पहनेंगे, भीतर से तनावपूर्ण होने की आशंका उतनी ही बढ़ जाएगी। आप आक्रमक होंगे, लेकिन अशांत भी रहेंगे। कसे हुए कपड़ों में हम बाहर की फिटनेस और कंफर्टेबिलिटी तो देखते हैं, लेकिन उसका दूसरा आध्यात्मिक परिणाम है मन का बेचैन होना। इसलिए समयसमय पर वस्त्रों को भी शांति-अशांति से जोड़कर पहने।

जीने की राह

अंत में राजा का झूठ पकडा गया

वेश बदलकर घूम रहे एक राजा ने चार सहेलियों की बातें सुनी। एक ने कहा, मांस सबसे स्वादिष्ट होता है। दूसरी ने शराब के स्वाद को अनोखा बताया। तीसरी का मत था, प्रेम का स्वाद सबसे अनोखा है। चौथी के लिए झूठ बोलने का स्वाद सर्वोपरि था। राजा ने अगले दिन चारों को दरबार में बुलाया और अपनी बात समझाने को कहा। पहली बोली, 'आदमी के मांस खाते ही कुत्ते हड्डियों पर लपक पड़ते हैं। फिर उन्हें कौए ले जाते हैं। इसके बाद चींटियां आहार बनाती हैं। इसलिए मैंने सोचा कि मांस सबसे स्वादिष्ट होता होगा। दूसरी ने बताया, मैंने एक दिन शराब में गिरते-पड़ते मनुष्यों को देख सोचा कि इतनी बुरी चीज को वे फिर छुएंगे भी नहीं, किंतु वे तो रोज ही पीते हैं। मुझे लगा शराब का स्वाद सबसे अच्छा है।' तीसरी ने कहा, 'मेरे पिता गुस्से में मां पर हाथ उठा देते हैं, किंतु उनके प्रति मां का प्रेम तनिक भी कम नहीं होता। अत: मेरे विचार से प्रेम सर्वोत्कृष्ट है। चौथी बोली, सब लोग झूठ बोलते हैं। आपने न बोला होगा तो एक दिन अवश्य बोलेंगे। इसलिए झूठ का स्वाद सर्वोपरि है।' राजा ने उसे ऐसा सिद्ध करने को कहा। लड़की ने तीन लाख रुपए और छह माह का समय मांगा। उसने आलीशान मकान बनवाया और एक दिन मंत्रियों सहित राजा को आमंत्रित किया। एक कक्ष की ओरइशारा कर उसने कहा, इसमें स्वयं भगवान रहते हैं, किंतु वे पापी को दर्शन नहीं देते। पापी समझे जाने के डर से राजा सहित सभी ने भगवान के दर्शन की बात कही। तब लड़की बोली, महाराज! परमात्मा को कोई कैसे देख सकता है? आखिर आप भी झूठ बोले। लड़की की बुद्धिमत्ता देख राजाने प्रभावित हो उसे पुरस्कृत किया। असत्य भाषण से बचनाचाहिए अन्यथा बात खुल जाने पर लज्जित होना पड़ता है।

दैनिक पंचांग

29 मार्च 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.49 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	08.29 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.27 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.40 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.56 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.08 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.19 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	21.34 ब.से
केतु	तुला में	धनु	23.50 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.55 बजे से
		कुंभ	03.41 बजे से
		मीन	05.14 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 88 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 21.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 20.07 बजे को समाप्त।
योग शोभन 00.12 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 21.08 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871567
जूलियन दिन 2460032.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रमजान
तारीख 06
विशेष दुर्गाष्टमी व्रत, बुधाष्टमी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 29 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। द

बच्चों को समझाएं प्यार से

बच्चे की मासूम और अनजाने में की गई गलती पर हमारा हाथ कितनी आसानी से उठ जाता है, जबकि किसी व्यस्क की जानबूझ कर की गई धृष्टता पर भी हम मार-पीट की नहीं सोचते। वजह यह है कि बच्चा हमसे कमजोर है, हम पर पलट कर वार नहीं कर सकता और अपनी जरुरतों के लिए हम पर ही निर्भर है। क्या सचमुच बच्चे के साथ हिंसा करना जायज है। क्या आपको नहीं लगता कि इससे वह आपसे डरने लगेगा। आपसे कुछ और दूर चला जाएगा।

माता-पिता का बच्चे से प्राकृतिक रिश्ता होता है, प्यार और अपनेपन का। वह समय के साथ-साथ विकसित होता है। अगर आप हर बात पिटाई से ही डरा कर समझाने की कोशिश करेंगी तो नतीजे वे नहीं निकलेंगे जिसकी उम्मीद आपको है। ऐसे में बच्चों को थोड़ा प्रेम से ही समझाया जा सकता है।

क्या सजा दें बच्चों को

बच्चा अनुशासन तोड़े, तो उसे सजा अवश्य दें। लेकिन वह सजा क्या हो यह भी बच्चे के साथ मिलकर तय कर लें। उसे पहले पता होना चाहिए कि किस गलती की क्या सजा है। मगर सजा का अर्थ पिटाई से न लें। उसका मनपसंद प्रोग्राम जो वह नियमित देखता हो, उसे दो दिन न देखने देना, खेलने न जाने देना, जब तक वह अपनी गलती नहीं सुधारे तब तक कमरे से बाहर निकलने से मना करने जैसी सजा ही बच्चों के लिए काफी बड़ी होती है। बात बंद कर देना भी बहुत बड़ी सजा है। बच्चे के मन की कोमल भावना का हमेशा सम्मान करें। मारने, चिल्लाने व बच्चे को लज्जित करने से पहले वह आहत होता है और बाद में अपमानित होता है। उसके बाद वह आपकी नाराजगी को अनदेखा करने लगता है।

मोतियों से पाएं ट्रेंडी लुक

मोती एक सुंदर रत्न ही नहीं बल्कि खूबसूरती तथा मासूमियत का पर्याय भी है। शायद इसीलिए फैशन आइकन ऑड्री हेपबर्न और जैकी केनेडी से लेकर महारानी गायत्री देवी तक मोतियों के दीवाने हैं। हाल के दिनों में बालीवुड की अभिनेत्रियों को भी मोती की ज्वेलरी और मोतियों के प्रयोग वाले कपड़े पहने देखा जा रहा है।

पर्ल सिटी हैदराबाद में मोतियों की धाक सिर्फ गहने तक ही सीमित नहीं है बल्कि अब डिजाइनर भी कपड़ों में मोतियों का प्रयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। इस विषय में डिजाइनर असगर अली का कहना है कि मोती न केवल देखने में सुंदर लगता है, बल्कि कपड़ों पर इसके प्रयोग से पारंपरिक और एंटीक लुक भी मिलता है तथा कपड़े भी आकर्षक दिखते हैं। पश्चिमी कपड़ों के साथ मोतियों मोतियों के काम को युवाओं द्वारा पसंद किया जा रहा है। टॉप पर मोतियों का काम और उसके साथ जींस लड़कियों की पहली पसंद बनती जा रही है। इसे देखते हुए अब मोतियों टॉप,जींस और स्कर्ट पर प्रयोग किया जा रहा है। मोतियों के काम वाली साड़ियां बाजार में कई रेंज व डिजाइन में उपलब्ध है। मोतियों का प्रयोग मात्र साड़ियों तक ही सीमित नहीं है। यदि आपको भव्यता और परिपक्वता प्रदर्शित करनी है तो कॉलर वाले ब्लाऊज जिनमें मोती जड़े हुए हो पहना जा सकता है। चूड़ीदार या पटियाला सलवार में भी मैच करते मोतियों का फैशन है।

इस तरह की सलवार को प्लेन या कढ़ाईदार कुरती के साथ भी पहना जा सकता है। मोती सदाबहार है और इसका फैशन कभी भी पुराना नहीं होता है। परंतु ध्यान रहे कि मोतियों वाले कपड़ों के साथ भारी गहने न पहने जाएं। मोती लगे कपड़ों का रख-रखाव में भी विशेष सावधानी रखनी पड़ती है।ऐसे कपड़ों की सफाई घर पर करवाने की जगह उन्हें ड्राईक्लीन करवाएं। हमेशा मोती जड़े कपड़ों को अन्य कपड़ों से अलग रखें। क्योंकि अन्य कपड़ों से उलझ कर मोतियों का वर्क खराब हो सकता है। मोतियों पर स्प्रे या परफ्यूम के प्रयोग से बचें।

इस तरह हो फर्नीचर की देखभाल

- स्याही के दाग नमक के घोल से साफ करें।
- डिजाइनदार फर्नीचर को पहले साबुन का घोल (ब्रश में)लगाकर साफ करें। उसके बाद ही पालिश करें।
- पालिश वाले फर्नीचर को पहले सिरके में पानी में मिला कर धोएं, इसके बाद ही पालिश करें।
- फर्नीचर की दरारें मोम पिघला कर सलाई या चाकू की मदद से उसमें भरें। फिर उपर वार्निश करें।
- फर्नीचर पर पड़े धब्बे जैतून के तेल में नमक मिला कर साफ करें।
- कुर्सी, सोफा इत्यादि पर बैठने से सिर (ऊपर) वाला हिस्सा काला पड़ जाता है। स्प्रिट से उस स्थान को साफ करें।
- चमड़े के फर्नीचर को सिरके में अलसी के तेल की कुछ बूंदें डाल कर उससे साफ करें।
- फर्नीचर पर गर्म बर्तन के निशान पड़ जाते हैं। इन्हें तिल के तेल से रगड़ कर साफ करें। फिर भी साफ न हो तो तारपीन के तेल से साफ करें।

- लकड़ी की अलमारी में सीलन न आए इसके लिए एक डिब्बे में चूना भर कर रख दें। सारी सीलन चूना सोख लेगा।
- दीमक लगने पर मिट्टी के तेल से साफ कर वानिर्श कर दें।
- लकड़ी हो या स्टील का फर्नीचर, सभी पर पेंट अवश्य करें ताकि किसी प्रकार के धब्बे हटाने पर पुन: रंग-रोगन किया जा सके।

इस तरह दें सहेली को दावत

जब आप किसी सहेली के साथ खाना खाने जाएं, तो एक खास तरह की कर्टसी की जरूरत होती है। इससे न केवल आप अपनी सहेली का दिल जीत सकती हैं, बल्कि उसकी नजरों में इज्जत भी पा सकती हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में....

- जब आप रेस्तरां के बाहर पहुंचे तो स्वयं कार से नीचे उतरकर कार का दरवाजा अपनी सहेली के लिए खोल दें। चेहरे पर हल्की-सी-मुस्कान के साथ उसका अभिवादन करें।
- आप उसी रेस्तरां में खाना खाने जाएं जहां पहले खा चुकी हों, क्योंकि इससे आपको मालूम होगा कि वहां का माहौल कैसा है और आप सुविधा महसूस करेंगी।
- कुर्सी पर बैठते समय भी पहले उसे कुर्सी पर बिठाएं और बाद में खुद बैठें, क्योंकि फॉर्मल कर्टसी की पहली मांग यही होती है।
- मेन्यू के सामने आने पर उसकी पसंद पूछें और पसंद जानने के बाद ही ऑर्डर करें। अगर आपको कुछ और पसंद है, तो उसे किसी और दिन के लिए छोड़ दें या सहेली से इजाजत लेते हुए वह आइटम ऑर्डर करें।
- खाना खाते समय सर्विस भी खुद करें और बीच-बीच में पूछती रहें कि उसे कुछ और तो नहीं चाहिए। वैसे आखिर में आपकी सहेली को स्वीट डिश जरूर खिलाएं और यह कहें कि यह विशेष रूप से उसके लिए है।
- बिल देते समय थोड़ा-सा झुककर बिल दें। उसे बिल्कुल अंदाजा नहीं होने दें कि आप कितना बिल दे रही हैं और न ही इस बारे में बाद में कुछ बात करें।

इन नुस्खों को अपना कर आप पा सकेंगी अपनी सहेली से प्यार और सम्मान भी।

छोटी-छोटी बातें

- नींबू या संतरे का स्कवैश बनाने के लिए चाशनी बना कर ठंडी हो जाने पर ही नींबू या संतरे का रस मिलाएं, क्योंकि गरम चाशनी में इस को डालने से स्क्वैश कड़वा हो जाएगा।
- बचे हुए छोटे-छोटे साबुन के टुकड़ों को थोड़े से पानी में डालकर उबालें, बराबर चलाती रहें। जब टुकड़े गल कर घोल बन जाए तो ठंडा कर के किसी बोतल में भर कर रख दें। साफसफाई के लिए लिक्विड क्लीनर तैयार है।
- अगर आप के पास बहुत सी सफेद स्टीकर बिंदियां है और आप उन्हें अनेक रंगों में चाहती हैं तो अपने अलग-अलग रंगों की नेलपालिश से उन्हें करीने से पेंट कर दीजिए। लीजिए, तैयार हैं मैचिंग बिंदिया।
- अपने बैग में भी खुले पैसों को अलग छोटे से पर्स में रखें। ऐसा करने से उसे निकालने और खर्च करने में आप को ज्यादा आसानी होगी।
- तांबे के बरतनों को नींबू से रगड़ कर धोने से बरतन चमक उठेंगे।
- सूती, रेशमी, टेरीलीन या पोलिएस्टर के कपड़ों पर से दाग हटाने के लिए प्रभावित भाग को किसी चौड़े बर्तन पर फैला दें। ऊपर से पीसा हुआ सुहागा बुरककर गर्म पानी डालें। दाग हट जाएंगे।

खुश रहना आपके हाथ

खुश रहना भी एक हुनर है। ज्यादातर लोगों की यह धारणा है कि जब उनकी कुछ शर्तें पूरी हो जाएंगी तभी वे प्रसन्न होंगे जैसे धन, पद या किसी महत्वाकांक्षा की पूर्ति।

सच तो यह है कि प्रसन्न रहना आपकी सोच व मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है। प्रस्तुत हैं इस संदर्भ में कुछ उपाय-

- जीवन में दुख एवं दुर्भाग्य आते ही रहते हैं इसलिए इनका हर समय दृढ़ता से सामना करें।
- खुश रहने का आपका अपना अलग अंदाज होना चाहिए। इस अंदाज पर किसी अन्य की छाप नहीं पड़नी चाहिए। स्वयं को सकारात्मक विचारों से प्रेरित करते रहें।
- मुस्कुराहट को अपनी आदत में शुमार करें।
- अतीत में जो कुछ आपने किया, उस पर पछतावा न करें। उपयोगितावादी व व्यावहारिक नजरिया अपनाएं।
- खुशमिजाज लोगों के सम्पर्क में रहें। इससे आपका मूड खुशगवार रहेगा।
- दिन में कम से कम तीन बार रोज अपनी उपलब्धियों का स्मरण करें। इसके लिए ईश्व का शुक्रिया अदा करें।
- शारीरिक व मानसिक शांति पाने के लिए मैडीटेशन, योग और व्यायाम आदि का सहारा अवश्य लें।
- अतीत में हुए नुकस्न को भूल जाएं।
- प्रेरणादायक पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तकों के अध्ययन की आदत डालें।
- तनाव को दूर करने के लिए यौगिक क्रियाएं लाभदायक होती हैं। इनमें सबसे सरल व लाभदायक हास्य योग हैं। तनाव का मनुष्य पर असर बारह घंटे तक हो सकता है। इस दौरान यदि हास्य का सहारा लिया जाए तो हितकर होगा।

आंखों को सुरक्षित रखने के नुस्खे

- सुबह उठते ही सबसे पहले आंखों पर अच्छी तरह छींटे मारकर उन्हें धोएं। सुखाने के लिए मुलायम तौलिए का इस्तेमाल करें।
- कच्चे आलू या खीरे को लगभग चार चम्मच के बराबर घिस लें। इन्हे दोनों आंखों पर १५ मिनट रखें और इसके बाद ठंडे पानी से धो दें।
- इस्तेमाल किए हुए टी बैग फ्रिज में रखें और ठंडे होने पर आंखों पर रख कर कुछ देर लेटें। इसके अलावा गुनगुने पानी में नमक डालकर रूई इसमें भिगो कर भी कुछ देर आंखों पर रख सकती हैं। इससे आंखों में चमक आती है।

- अंजीर के आधे कटे टुकड़े आंखों पर रखें।
- आलू या खीरे के कटे टुकड़े फ्रिज में हमेशा रखें। बाहर से आने पर कुछ देर रखने से आंखों को ठंडक मिलती है।
- अपने भोजन पर ध्यान दें। हरी सब्जियां, सभी तरह के फल और ढेर सा पानी आंखों के काले दायरों से निजात दिलाता है।

हेल्थ प्लस

कई रोग दूर करता है केला

पका केला खाने से शरीर मजबूत और स्वस्थ बनता है। पका केला स्वाद में मीठा और तासीर में ठंडा होता है। केला वीर्यवर्द्धक माना जाता है। यह ऐसा फल है, जिसे हर आयु के लोग खाना पसंद करते हैं। चार-पाँच माह के शिशु को भी केला अच्छी तरह से मैश करके देने की सलाह डॉक्टर देते हैं। सर्दियों में शिशु को केला देते समय उबलते पानी में छिलके समेत कुछ ढीला होने तक रखें, फिर उसे मैश करके शिशु को दे सकते हैं, जिससे ठंडे मौसम के अनुसार शिशु को नुकसान नहीं होगा।

- ध्यान रखें, केला हमेशा ताजा खाएँ। पुराना केला ढीला होने पर अपना स्वाद खो देता है और उसकी पौष्टिकता भी समाप्त हो जाती है। बुखार में केला खाने से शरीर को ताकत मिलती है। दुबले लोग पके केले को दूध के साथ लगातार लें, जिससे शरीर का वजन बढ़ाया जा सकता है। केले को भोजन के साथ या भोजन के बाद खाएँष खाली पेट केले का सेवन न करें।
- मुँह में छाले होने पर सुबह गाय के घी के साथ केला खाने से छालों में लाभ होता है। पेट में गैस बनने पर भी दूध और केला एक साथ लें। जब कभी पेचिश या दस्त लगे हों, आधी कटोरी दही में दो पके केले व थोड़ा-सा नमक, डालकर खाने से दस्त और पेचिश ठीक होने में सहायता मिलती है। कब्ज होने पर दो केले एक साथ लगातार कई दिन तक सेवन करें। आग से जलने पर पके केले के गदे का लेप करें। महिलाओं के प्रदर रोग में भी केला लाभप्रद है।
- दस दिन एक गिलास दूध के साथ केले का सेवन करने से नकसीर वाले रोगियों को फायदा होता है। केले के तने का रस पीने से पेट के रोग दूर होते हैं। केला रक्तचाप सामान्य करने में भी लाभदायक बताया जाता है, क्योंकि इसमें पोटेशियम अधिक मात्रा में होता है। रक्ताल्पता के शिकार लोगों के लिए भी केला लाभप्रद हैं।
- केला अत्यधिक लाभदायक फल है। इसका सेवन नियमित करते रहें। पर यह भी ध्यान रखें कि अधिक मात्रा में कुछ भी खाना नुकसानदेह हो सकता है। मोटापे के शिकार लोग भी सावधानीपूर्वक केला खाएँ क्योंकि एक मध्यम आकार के केले में १०० कैलोरी ऊर्जा होती है।

तरबूज के औषधीय प्रयोग

नकसीर

तरबूज के एक गिलास रस में मिश्री एवं २ ग्राम आंवला चूर्ण मिलाकर दिन में दो बार पीया करें। इससे ग्रीष्म ऋतु में नाक से खून गिरने की शिकायत में लाभ होता है।

दाद

तरबूज के छिलकों को सुखा कर और फिर इसे जला कर भस्म बना लें। नारियल के तेल में मिलाकर लगाने से दाद-खाज बहुत ही जल्दी मिट जाती है।

बालों के सौंदर्य हेतु

तरबूज में सिलिकॉन नामक तत्व होता है जिसके बारे में वैज्ञानिकों की राय है कि यह बालों को असमय पकने और झड़ने से रोकता है। तरबूज के रस में नींबू का रस मिलाकर बालों की जड़ में मालिश करें। आधे घंटे पश्चात बालों को धो डालें। इसके साथ-साथ तरबूज का भी सेवन कर लिया करें। इस दोहरे प्रयोग से आपके बाल प्राकृतिक चमक लिए नजर आयेंगे।

बीज भी हैं गुणकारी

तरबूज के बीजों की मिंगी पांच ग्राम में बराबर मात्रा मिश्री मिलाकर रात में सेवन करें और ऊपर से दूध पी लिया करें। दो-तीन माह के सेवन से आपकी सेहत में सुधार हो जाएगा।

एसिडिटी का उपचार

आज शहरों में अधिकांश मरीज अम्लाधिक्य-जन्य रोगों से पीड़ित हैं, जैसे उदर, हदय-प्रदेश तथा कंठ में दाह, भोजनानंतर उदरशूल, अम्ल उद्गार, उल्टी की आशंका, अजीर्ण विकार, अतिलाला-स्त्राव, बमन, क्षुधानाश, अफारा, गैस, आमाशय शोथ आदि। ये सब पित्त विकार के लक्षण हैं। इसे साधारण भाषा में एसिडिटी या तेजाब बनना कहते हैं।

पित्त की उत्पत्ति

विषम भोजन करने, खटाई, खारे, चरपटे, मिर्च आदि तीक्ष्ण पदार्थों को अधिक खाने, भूख-प्या, रोकने, चाय, शराब, गुटखा आदि के अधिक प्रयोग, थकावट, क्रोध करने, अग्नि तपने, धूप में अधिक फिरने से, दोपहर के वक्त, आधी रात, जवानी की उम्र में, शरद और ग्रीष्म ऋतुओं में, भोजन पचने के काल में पित्त उत्पन्न होकर विकार पैदा करता है।

पित्त प्रकोप के लक्षण

मुंह का जायका कड़वा होना, चेहरा व्याकुल होना, होंठ सूखना, प्यास अधिक लगना, शरीर कमजोर पड़ना, पसीना अधिक आना, बुखार तेज होना, ठंडे पदार्थों पर रूचि चलना, दाह अधिक होना, त्वचा का वर्ण पीला होना, नींद कम आना, इंद्रियों में दुर्बलता, मल-मूत्र में पीलापन, अग्नि का तीक्ष्ण होना आदि हो, तो पित्त प्रकोप जानें। जबकि क्षीण पित्त में गठराग्नि मंद हो जाती है तथा आहार ठीक से नहीं पचता।

पित्त रोग

आयुर्वेद में पित्त रोग चालीस बताए गए हैं उनमें मुख्य हैं- धुआं जैसी डकार आना, मुख का कड़वापन एवं खट्टा होना, दुर्गंधित, पुरीष का पीला एवं गर्म होना, दांत पीले होना आदि लक्षण होते हैं।

क्या खा सकते हैं?

पित्त के रोगी को इन चीजों का प्रयोग ज्यादा करना चाहिए जैसे परवल, छोलिए, छोटे करले, सफेद नर्म चिकनी लौकी, कच्ची ककड़ी, तुरई, खीरा, लाल छोटा पेठा, आलू (आग में भूनकर छिलके सहित कच्चा ही खाएं), दोनों प्रकार की गोभी, भिंडी, सफेद सेमफली, संहिजन की फली, चौलाई, अंकुरित अनाज, कच्चा नारियल, आंवले, अंगूर, केला, खरबूजा, अमरूद, बड़े बेर, चीकू (भोजन के बाद), सेब, मीठे संतरे, अनन्नास, मूंग, मोठ, अरहर की दालें, ग्वारफली, खजूर, अंजीर, बड़े जामुन, सिंघाड़ा, नाशपति, पके आम (करीब आधा घंटे पानी में भिगने के बाद), फालसे, चने, मटर, मीठा नीम, गेहूं, सेहयां, जौ, चावल (सठी के या ब्राउन), मक्का, गाया का दूध, गन्ना, चीनी, शहद, मक्खन, पनीर, नारियल का तेल आदि।

क्या नहीं खाएं

अपथ्य में बड़े काले बैंगन, गाजर, मूली, सेमफली, खोपरा मध्यम आकार के बेर, बादाम, पिस्ते, काजू, उड़द की दाल, कुलथी की दाल, आवश्यकता से अधिक नमक (अच्छा हो केवल थोड़ी मात्रा में सेंधा नमक ही लें, मिर्च-लाल, काली, हरी, जीरा, हींग, राई, मेथीदाना, लहसुन, पुदीना, अजवायन, अदरक, सौंठ, बड़ी इलायची, दालचीनी, तेजपत्ता, जायफल, जावित्री, बाजरा, दही, छाछ, घी, तिल व सरसों का तेल, गुड़, चाय, कॉफी, पान, खरबूजा, लीची, चैरी, खराब, खमीर वाले पदार्थ, चटनी, सिरका, अचार, कार्बन डाई आक्साइड मिश्रित पेय (एअरेटेड वॉटर्स), अखरोट, मूंगफली, माल्टा, नीबू, इमली, आलू बुखारा, प्याज, गर्म मसाले, टमाटर, तम्बाकू आदि शामिल है।

पित्त शांति के उपाय

ठंडे जल से स्नान करना, ठंडा जल पीना, रसदार और सुगंधित भोजन करना, चंद्रमा की चांदनी में बैठना व सोना विशेषकर शरद ऋतु में। घरेलू चीजों में कुछ चीजें इसमें उपयोगी हैं जैसे हल्दी, सौंफ, सुपारी, सिंघाड़ा, सनाय, शंखपुष्पी, धनिया, अडूसा, आवंला, छोटी इलायची, ईख, कुनेन, खजूर खशखश, ग्वारपाठा, अंगूर, अनार, मेहंदी, गूलर, जीरा, नीम, त्रिफला, प्रवाल, गुलाबजल, लौंग, चंदन आदि।

अंकुरित अनाज: पोषण का खजाना

यदि आप अधिक स्वास्थ्यकर लाइड्स्टाइल चाहते हैं तो अंकुरित अनाज को अपने भोजन में शामिल करना सबसे सरल उपाय हो सकता है। पोषण के शक्तिस्थल इन 'लिविंग फूड्स' को खरीदने के लिए कहने का एक बड़ा कारण यह भी है कि इनमें विटामिन्स, मिनरल्स, एंटी-ऑक्सीडैंट्स बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं।

अल्फा-अल्फा अंकुर : यह विविधतापूर्ण अंकुर विटामिन ए, बी, डी, ई और जी का बहुमूल्य स्त्रोत है। यह कैल्शियम, मैग्निशियम, फास्फोरस, क्लोरीन, सोडियम, पोटाशियम और सिलीकोन भी प्रदान करता है। शरीर के अंगों के ठीक तरह काम करने के लिए ये सभी बहुत आवश्यक हैं। इसमें गेहूं तथा मक्का के मुकाबले डेढ़ गुणा अधिक प्रोटीन होता है जबकि कार्बोहाईड्रेट्स की मात्रा आधी होती है। यह डाइट्री फाइबर तथा क्लोरोफिल का भी बढ़िया साधन है। इसे दिल, पेट तथा श्वास की गड़बड़ी को दूर करने तथा आर्थराइटिस, बालों का झड़ना और उच्च रक्तचाप के लिए इस्तेमाल किया जाता है।''

दैनिक जीवन में इस्तेमाल : इसे सूप तथा सलाद में इस्तेमाल किया जा सकता है। आप इसे सैंडविच में भी प्रयोग कर सकते हैं।

मूंग का अंकुर : यह सारा साल उपलब्ध रहता है। यह स्वादिष्ट और क्रंची अंकुर बीमारी के बाद कमजोरी को दूर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सबसे हल्के अंकुरों मे से एक है।

दैनिक जीवन में इस्तेमाल : यदि आप बीमार हैं तो सूप में इसका इस्तेमाल सबसे बढ़िया रहता है। इसे कच्चा, उबाल कर या सलाद में मिला कर भी खाया जा सकता है।

काले चने का अंकुर (चिकपी): यह विटामिन बी कॉम्पलैक्स का बढ़िया स्त्रोत है। रात को भिहों कर और सुबह जामुन के शहद के साथ खाने से यह प्राकृतिक टॉनिक की तरह काम करता है। अंकुरित चने का पानी ग्लूकोज का उपभोग बढ़ाता है जो मधुमेह के लिए विशेषरूप से सहायक है। यह आयरन का भी बड़ा स्त्रोत है।

दैनिक जीवन में इस्तेमाल : कटलेट, सलाद, सूप और कढ़ी में यह बहुत बढ़िया लगता है।

फेनूग्रीक अंकुर : यह कैल्शियम, प्रोटीन, मिनरल तथा विटामिन का बढ़िया स्त्रोत है। यह भारतीय मसालों के साथ विभिन्न व्यंजनों में अच्छी तरह मिलाया जा सकता है। यह वायुविकार कम करता है और स्तनपान करवाने वाली मांओं में दूध की मात्रा बढ़ाता है।''

दैनिक जीवन में इस्तेमाल : कढ़ी, सूप तथा सब्जियों को सजाने में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

गेहूं का अंकुर : साबुत गेहूं का अंकुर बहुत स्वास्थ्यकर है क्योंकि इसमें ब्रान है और साथ ही गेहूं का बीज भी। यह विटामिन बी, आयरन, जिंक, फास्फोरस, पोटाशियम और फाइबर समेत कई पोषणों का स्त्रोत है। जब गेहूं को अंकुरित किया जाता है तो इसमें विटामिन, मिनरल और फाइबर की मात्रा बढ़ जाती है जो इसे अधिक पाचक बना देती है। जिन लोगों को एलर्जी है यह उनके लिए बहुत बढ़िया है।

दैनिक जीवन में इस्तेमाल : इससे स्वादिष्ट सलाद बनता है और सब्जी के किसी भी व्यंजन में इसे मिलाया जा सकता है। इन्हें सूप में भी डाला जा सकता है।

सरसों का अंकुर : यह एंटी-ऑक्सीडैंट और विटामिन बी-१ का बहुत बढ़िया स्त्रोत है। यह दिल की बीमारियों तथा कैंसर रोकने में भी मदद करता है। यह सर्दी-जुकाम तथा खांसी से बचाव में बहुत प्रभावशाली है।

दैनिक जीवन में इस्तेमाल: इसके इस्तेमाल से सलाद तथा सब्जियों का स्वाद बढ़ जाता है।

'राग' पटना की प्रस्तुति-आधी रोटी पूरा चाँद

रसीदी टिकट, अमृता इमरोज़, दस्तावेज़, मैं तुम्हें फिर मिलूँगी, प्रतिनिधि कविताएँ एवं खतों का सफरनामा

पटना।

पटना के पूर्वी गाँधी मैदान स्थित कालिदास रंगालय में 'राग' पटना द्वारा नाटक 'आधी रोटी पूरा चाँद' की बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

नाटक के बारे में

तू मेरा समाज, मैं तेरा समाज,एक सूरज आसमान पर उगता है । एक सूरज धरती पर भी उगता है । शायरा के रूप में, लेखिका के रूप में ।अमृता और इमरोज़ का रिश्ता नज़्म और इमेज का रिश्ता है । नज़्म हुई तो इमेज बनी, इमेज आयी तो नज़्म बनी । हमेशा एक दूसरे की खुश्बू से लबरेज़ । एक जज़्बात को का×गज़ पर उकेरता तो दूसरा रंगों की छटा बिखेरती कूची से पुख्ता संदेश प्रवाहित करता । ज़िन्दगी के उतार-चढ़ाव में खुद को संभाले जग के लिए एक मिसाल के तौर पर आज भी कहीं-न-कहीं,किसी-न-किसी में जीवित है अमृता ! फूल मुरझा गया पर महक नहीं मुरझाई .....

मैं तुम्हें कल फिर मिलूँगी

कहाँ किस तरह नहीं जानती

रसीदी टिकट, अमृता इमरोज़, दस्तावेज़, मैं तुम्हें फिर मिलूँगी, प्रतिनिधि कविताएँ एवं खतों का सफरनामा पर आधारित है यह नाटक

रणधीर कुमार,आदिल रशीद, अंजलि शर्मा के अलावे साउंड- राजीव कुमार, प्रचार-प्रसार- मनीष महिवाल, सेट- प्रबोध विश्वकर्मा, लाइट- रणधीर कुमार, प्रस्तुति संयोजन- भूपेंद्र कुमार, प्रस्तुति प्रबंधक- सुनील कुमार राम, सहयोग- अमर कुमार,उज्जवल, कुमार, बीरबल, राजकुमार, उपेन्द्र, एवं संजय जबकि निर्देशक- रणधीर कुमार का है।

रागा रंग उत्सव (मुख्य शीर्षक पूरे पेज का तीन आर्टिकल रहेगा, मिक्स करके बनाइयेगा, अलग-अलग नहीं कीजिएगा)

नाटक 'मिराज'

जीवन को एक पल में पूरा जिया जा सकता है या फिर पूरा जीवन बेमतलब भी हो सकता है....

कालिदास रंगालय, गांधी मैदान, पटना में 'राग' पटना के कलाकारों द्वारा नाटक 'मिराज' प्रस्तुत किया गया

नाटक मिराज अनन्या मुखर्जी की कैंसर डायरी ठहरती साँसों के सिरहाने से ज़िन्दगी जब मौज ले रही थी की नाट्य प्रस्तुति है ।अनन्या ने अपनी कैंसर डायरी में कैंसर से जुडे अपने अनुभवों और कैंसर का मु×काबला करने के तरी×कों के बारे में बताया है। अपने इलाज के दौरान पचास से अधिक बार वह कीमोथेरेपी से गुजरती है, फिर भी ज़िन्दगी, उसके अस्थायी स्वरूप,उसकी नज़ा×कत, लोगों और उनके सामाजिक मूल्यों के सन्दर्भ को बढ़ा-चढ़ा कर बताए जाने वाले गुणों को ठेंगा दिखाती रही। आनन्द भरी ज़िन्दगी को उसने अपने लिए चुना। मानो वह कह रही है . . . जीवन को एक पल में पूरा जिया जा सकता है या फिर पूरा जीवन बेमतलब भी हो सकता है। खुशनुमा ज़िन्दगी जीती और कैंसर से लड़ती हुई 2018 में अंततः वह अपनी लड़ाई हार जाती है ।

मंच पर- दीक्षा तिवारी (एन॰एस॰डी॰), मंच परे-
डिज़ाइन : विशाला आर महाले, साउंड : राजीव कुमार सेट : प्रबोध विश्वकर्मा, प्रस्तुति प्रबंधक : सुनील कुमार राम, प्रक ाश : रणधीर कुमार, प्रस्तुति सहयोगः आदिल रशीद,भूपेंद्र कुमार,अंजलि शर्मा, सुधांशु शेखर, सह-निर्देशक : राजीव कुमार, सहयोग : उज्ज्वल, सोनू, बीरबल, राजकुमार, संजय, उपेंद्र
पब्लिसिटी : मनीष महिवाल तथा निर्देशन : रणधीर कुमार का है।

'नाट्य शिक्षक की बहाली'

रंगकर्मियों के जीवन संघर्ष से जुड़ा

लेखक, निर्देशक व चर्चित कलाकार मनीष महिवाल का नाटक 'नाट्य शिक्षक की बहाली' का मंचन प्रेमचंद रंगशाला में लोक पंच के बैनर तले प्रस्तुत किया गया। निर्देशक मनीष महिवाल ने कहा कि प्रस्तुत नाटक के माध्यम से यह बताने की कोशिश की गयी है कि बिहार में नाट्य शिक्षक की बहाली हो और हमारे नाटक के साथ जनता का जुड़ाव और सहयोग महत्वपूर्ण है। श्री महिवाल ने कहा कि प्रस्तुत नाटक में रंगकर्मियों के संघर्ष को दिखाया गया है। जिसमें एक रंगकर्मी के जीवन के उस पहलू को उकेरा गया है जहाँ वो पढ़ाई के बाद भी अपने परिवार और समाज में उपेक्षित है। उन्हें स्कूल, कॉलेज में एक अदद नाट्य शिक्षक की नौकरी भी नहीं मिल सकती, क्योंकि हमारे यहां नाटक के शिक्षकों की बहाली का कोई नियम नहीं है। इस मुखर सवाल पर आकर उक्त नाटक दर्शकों के लिए रंगकर्मियों के जीवन संघर्ष से जुड़ा निम्न सवाल भी छोड़ जाता है।

नाटक खत्म होने के बाद स्मृति चिन्ह देक र व ताली बजाकर दर्शक उन्हें सम्मानित करते हैं। यही रंगकर्मी जब अपने घर पहुंचते हैं तो घर में इन से बेहूदा किस्म के प्रश्न पूछे जाते हैं। क्या कर रहे हो ? नाटक करने से क्या होगा ? लोग तुम्हें लौंडा कहते हैं। नाचने वाला कहते हैं। यह सब करने से रोजी-रोटी नहीं चलेगा। कोई अच्छी घर की लड़की का हाथ तक नहीं मिलेगा।

इस तरह के अनगिनत ताने सुनने पड़ते हैं, फिर भी रंगकर्मी यह सब सहने के बावजूद रंगकर्म करते रहते हैं।

नाटक के माध्यम से रंगकर्मी मांग करते हैं कि स्कूल और कालेजो में नाट्य शिक्षक की बहाली हो और दर्शक का साथ हो।

प्रस्तुत नाटक में प्रमुख कलाकार की भूमिका में मनीष महिवाल, प्रियंका सिंह, मिताली, रजनीश पांडे, अरबिंद कुमार, रोहित कुमार, अजित, कृष्ण यादव, राम प्रवेश, अभिषेक राज आदि ने किरदार निभाया है। नाटक के लेखक एवं निर्देशक मनीष महिवाल हैं।

अनगिनत ताने सुनने के बावजूद भी रंगकर्मी रंगकर्म करते रहते हैं